

संक्षिप्त समाचार

विजिलेंस के जाल में फंसी महिला एसएचओ, 50 हजार रुपए रिश्त लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मोगा। फिरोजपुर विजिलेंस टीम ने कोर्ट इसे खां थाने की एसएचओ सुनीता रानी को 50 हजार रुपये की रिश्त लेते हुए गिरफ्तार किया है। मोगा। फिरोजपुर विजिलेंस ने कोर्ट इसे खां थाने की विजिलेंस के पास यह शिकायत नूरपुर हकीमा निवासी राजविर सिंह की ओर से पहुंची थी। शिकायतकर्ता ने अनुसार एसएचओ शिकायतकर्ता के अनुसार, एसएचओ सुनीता रानी किसी मामले में मदद करने के एवज में उससे रिश्त की मांग कर रही थीं। शिकायत की जांच के बाद फिरोजपुर विजिलेंस की टीम ने दृष्ट लगाने की कार्रवाई की उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके लिए इंस्पेक्टर गगनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तय कार्रवाई के तहत शनिवार देर शाम एसएचओ को 50 हजार रुपये की रिश्त लेते हुए काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजिलेंस कार्यालय ले जाया गया, जहां देर रात तक पूछताछ की गई। विजिलेंस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लुधियाना में अमरजीत चावला के घर पुलिस की रेड, रेप मामले में नामजद

लुधियाना। महिला से रेप के आरोप में नामजद एसजीपीसी के पूर्व सदस्य अमरजीत सिंह चावला के लुधियाना स्थित घर में पंजाब पुलिस की टीम ने छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक रेड के दौरान चावला घर पर नहीं मिले, जिसके बाद पुलिस टीम ने घर में उनकी पत्नी से पूछताछ की। पुलिस की यह कार्रवाई सुबह करीब 8:30 बजे शुरू हुई। अमरजीत सिंह चावला का घर मॉडल टाउन एक्सटेंशन में वीडस छापेमारी के लिए आनंदपुर साहिब से 10 से 15 पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी टीम लुधियाना पहुंची है। पुलिस टीम में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूरी टीम सुबह 3 गाड़ियों के काफिले में यहां पहुंची और आते ही घर में जांच शुरू कर दी। फिलहाल घर के अंदर पुलिस की पूछताछ और तलाशी अभियान जारी है।

2027 की जीत के लिए अभी से एकजुट होकर जुटें कांग्रेस कार्यकर्ता : सूरज

होशियारपुर। पंजाब कांग्रेस कमेटी के को-प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सूरज ठाकुर ने शनिवार को होशियारपुर जिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आपसी मनमुटाव भुलाकर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखचंद सिंह डैनी बंडाला और कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलजियां खास तौर पर इस मीटिंग में शामिल हुए।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलेंगे 10-10 हजार रुपए अतिरिक्त

बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है सरकार..

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुकमा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ से प्रभावित शबरीनगर, श्रीनगर, लाइनपारा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत एवं स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताएं जानीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी है। बाढ़ से जिन परिवारों के मकान, धरेलू सामान अथवा अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उन्हें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ राहत और पुनर्वास के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने शबरीनगर में स्थापित राहत एवं स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री राहत शिविर में रह रहे प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उन्हें स्वयं भोजन परोसकर आत्मीयता के साथ उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित परिवार के घर भी पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों और हुए नुकसान की जानकारी ली तथा उन्हें ढाँस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को समझते हुए सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 23 एवं 24 सितंबर को हुई अतिवृष्टि से सुकमा जिले के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हुई थी। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के साथ स्वास्थ्य शिविर संचालित किए जा रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को तात्कालिक सहायता, सूखा राशन



बारिश से फसल नुकसान उठाने वाले किसानों को सीएम साय ने दिया बड़ा दिलासा, कहा- सर्व के बाद दिया जाएगा मुआवजा....

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से बनी बाढ़ की स्थिति से कई जगहों पर हुए फसल नुकसान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को बड़ा दिलाया दिया है. उन्होंने कहा कि फसल नुकसान का सर्वे होगा. हम स्वयं आकलन करने जा रहे हैं. आकलन के बाद मुआवजा दिया जाएगा. सुकमा के लिए खाना होने से पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि बारिश का कारण कई जगह पर बाढ़ की स्थिति बनी है. बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों से मुलाकात करने जा रहे हैं. फसल, मकान का नुकसान हुआ है. पीड़ित लोगों से मुलाकात करेंगे. वहीं सिंगपुर दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति आने के बाद देश-विदेश में इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जा रहा है. इस कड़ी में 4, 5 और 6 अक्टूबर को सिंगपुर प्रवास पर रहेंगे.

एवं गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन और आवश्यक स्वच्छता संबंधी उपाय भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कौटा क्षेत्र में भी बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। पिछले दिनों लगातार बारिश के कारण सबरी नदी में जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे के गांवों के साथ कौटा नगर पालिका के चार वार्डों में पानी भर गया था। कौटा क्षेत्र में प्रभावितों के 19 राहत केंद्रों में ठहरने, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई

है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों को देखा और प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से मकानों, धरेलू सामान तथा अन्य परिसंपत्तियों को हुए नुकसान का प्राथमिकता से आकलन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पात्र प्रभावितों को आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ के कारण घरों में रखे सामान को नुकसान पहुंचने से प्रभावित परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता के निर्देश दिए।

बेकाबू थार ने ई-रिक्शा के उड़ाए परखच्चे, अस्पताल में दम तोड़ते ही चालक छोड़ भागे रईसजादे

मुरदाबाद। मुरदाबाद-आगरा स्टेट हाईवे पर रस्ताम नगर के पास एक रंगट खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां सड़क किनारे शांति से खड़े एक ई-रिक्शा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार ने भीषण ठकर मार दी। इस खौफनाक भिड़ंत में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और चालक लहलुहान होकर सड़क पर दूर जा गिरा। पूरी दुर्घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका खौफनाक वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। ठकर के बाद चालक को अस्पताल पहुंचाकर फरार हुए सवार हादसे के बाद थार सवार लोग तुरंत मौके से भागने के बजाय गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को अपनी गाड़ी में डालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी लेकर पहुंचे।

चिराग पासवान का कांग्रेस से सवाल अगर एसआईआर में गड़बड़ी है तो प्रियंका गांधी चुनाव कैसे जीतीं....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर एसआईआर की प्रक्रिया में इतनी बड़ी गड़बड़ी थी, तो कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाढ़ा चुनाव कैसे जीत गई? उनका इशारा वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत की ओर था। चिराग ने कहा कि अगर विपक्ष को चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं है और एसआईआर में गंभीर खामियां हैं, तो कांग्रेस के नेता चुनाव कैसे जीत रहे हैं। उन्होंने केरल और हिमाचल प्रदेश



में कांग्रेस की सरकार बनने का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल किया कि अगर चुनाव प्रक्रिया पर ही भरोसा नहीं है तो इन राज्यों में कांग्रेस की सरकार कैसे बनी? चिराग पासवान ने कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है, जबकि चुनाव आयोग की ओर से अब इस मामले में स्पष्टि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले तक उनकी भी

चुनाव आयोग को लेकर कुछ चिंताएं थीं। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है और अगर उसकी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं तो आयोग की जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आयोग ने अब अलग-अलग सवालों पर बिंदुवार जवाब दिया है और वह उससे संतुष्ट हैं। चिराग ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि जहां बीजेपी या एनडीए की सरकार बनती है, वहां चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाते हैं, लेकिन विपक्षी दलों की सरकार बनने पर यही सवाल नहीं उठाए जाते। इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित बैठक को लेकर चिराग पासवान ने सवाल किया गया तो उन्होंने सिर्फ 'शुभकामनाएं, शुभकामनाएं' कहकर जवाब दिया।

स्मृति ईरानी बनेंगी मंत्री?

यूपी से राज्यसभा चुनाव लड़ सकती हैं; कई नाम आगे.....

नई दिल्ली। यूपी के सियासी हलकों में इन दिनों प्रदेश कोटे की 10 राज्यसभा सीटों को लेकर हलचल तेज है। भाजपा इन सीटों पर प्रत्याशियों के ऐलान में एक बार फिर चौंका सकती है। पार्टी की योजना इस बार अधिकांश नये चेहरे उतारने की है। यहां तक कि यूपी कोटे से राज्यसभा सदस्य दो केंद्रीय मंत्रियों के रिपीट होने को लेकर खासा संशय है। पार्टी इस बार यूपी कोटे में राष्ट्रीय महामंत्री बनाई गई स्मृति ईरानी और हरीश द्विवेदी, दोनों को राज्यसभा भेज सकती है। वहीं यदि बीएल वर्मा का टिकट कटा तो राज्यसभा जाने वालों की सूची में राजवीर सिंह



राजू का नाम जुड़ सकता है। प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया 29 सितंबर से शुरू हो रही है। 10 सीटों के लिए चुनाव होना है, उनमें से आठ पर भाजपा और एक-एक पर सपा और बसपर देने के लिए चार हफ्ते का टिकट कटा तो राज्यसभा जाने वालों की सूची में राजवीर सिंह

चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश टीएमसी के नाम और सिंबल पर तीन महीने के भीतर करें फैसला

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक पहचान और उसके चारंपरिक चुनाव चिन्ह 'फूल और घास' पर चल रहे घमासान में देश की शीर्ष अदालत ने एक बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक आदेश पारित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोगको यह स्पष्ट और सख्त निर्देश दिया है कि वह दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के दावों की गहन समीक्षा करते हुए तय समय-सीमा के भीतर इस विवाद का स्थायी और अंतिम समाधान निकाले। राजनीतिक और कानूनी गलियारों में इस मामले को काफी संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि किसी भी



राजनीतिक दल के अस्तित्व, उसकी वैधानिकता और चुनाव चिन्ह से जुड़े मामले सीधे तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्लू टिप्पणी करते हुए कहा कि

तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिन्ह से जुड़े इस लंबे खिंचते विवाद पर अंतिम निर्णय लेने के लिए चुनाव आयोग के पास तीन महीने का वक्त पूरी तरह से पर्याप्त है। अदालत ने यह भी साफ किया कि यह तीन महीने की अवधि तुरंत प्रभाव से शुरू नहीं होगी, बल्कि सभी पक्षों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर देने के लिए चार हफ्ते का अतिरिक्त समय दिया गया है। इस चार हफ्ते के अंतराल के भीतर विवाद से जुड़े सभी पक्षों, यानी दोनों गुटों को अपनी-आपसी से सभी लिखित दलीलें, सबूत और पुष्टा दस्तावेज चुनाव आयोग के समक्ष औपचारिक रूप से जमा कराने होंगे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग, दुर्ग जिले में कांग्रेस पार्टी ने दिखाए आक्रामक तेवर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन



पुलिस बेरिकेट्स तोड़ कर जलाया मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला

दुर्ग। संवाददाता

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग और निर्वाचन प्रक्रिया



भवन से कलेक्टर कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला गया। कलेक्ट्रेट परिसर तक बनाए गए बेरिकेट्स को तोड़ते हुए कांग्रेसी कलेक्ट्रेट तक पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में निकाले गए इस विरोध मार्च में जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), दुर्ग शहर और भिलाई नगर कांग्रेस कमेटी के



पदाधिकारी संयुक्त रूप से शामिल हुए। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और मुख्य निर्वाचन आयुक्त

कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर 30 सितंबर को संभागीय धरना, प्रदर्शन एवं रैली

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ सहित संबद्ध संगठनों ने आंदोलन की तैयारी की

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मनोज दुबे द्वारा एवं पेंशनर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पी.के.हिरवानी द्वारा एवं संबद्ध कर्मचारी संगठनों द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर 30 सितंबर 2026 को एक दिवसीय संभागीय धरना, प्रदर्शन एवं रैली आयोजित की जाएगी। यह आंदोलन मोदी की गारंटी लागू करो की मांग को लेकर किया जा रहा है। संघ के अनुसार कर्मचारियों की मांगों को लेकर पूर्व में शासन स्तर पर ज्ञापन एवं ध्यानाकर्षण कराया गया। प्रदेश के सभी तहसील एवं जिला मुख्यालयों में कलेक्टर/अनुविभागीय अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंप गए। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों को भी मांगों से अवगत कराया गया, लेकिन अपेक्षित निर्णय नहीं होने के कारण संघ द्वारा आंदोलन का निर्णय लिया गया है।



प्रमुख मांगें

केंद्र की तिथि 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किए जाने तथा प्रदेश के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को केंद्र के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता एवं पेंशनरों को महंगाई राहत प्रदान करने की मांग। कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की मांग। केंद्र एवं मध्यप्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को 240 दिवस के स्थान पर 300 दिवस का अवकाश नगदीकरण लाभ देने की मांग।

ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक का वेतनमान पुनरीक्षित किए जाने की मांग। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए शिक्षक एलबी संवर्ग को संपूर्ण सेवा का लाभ देने की मांग। शिक्षक पात्रता परीक्षा के स्थान पर सीमित विभागीय परीक्षा का प्रावधान किए जाने की मांग। प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीमा समाप्त कर अनुकंपा नियुक्ति के सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण करने की मांग। सविदा, दैनिक वेतनभोगी एवं अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किए जाने तथा सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग।

संबद्ध संगठनों की मांगें भी आंदोलन में शामिल

संघ के अनुसार संबद्ध संगठनों की मांगों में ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक का पदनाम बदलकर ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी एवं सेक्टर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक का पदनाम सेक्टर स्वास्थ्य अधिकारी किए जाने, आईटीडीए के कर्मचारियों एवं

अधिकारियों को समयमान वेतन एवं पदोन्नति का लाभ देने तथा छात्रावास अधीक्षकों सहित विभिन्न पदों पर विभागीय परीक्षा के माध्यम से पदोन्नति का अवसर प्रदान करने की मांग शामिल है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के मूल कर्मचारियों का वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में सॉविलियन, शासन के आरक्षण नियमों के अनुसार पदोन्नति, वर्क डिपार्टमेंट के तकनीकी संवर्ग के कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि में पदोन्नति तथा पेंशनरों के लिए भी कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने की मांग रखी गई है।

सुबह 11:30 बजे से शाम 3:30 बजे तक कार्यक्रम

संघ द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 30 सितंबर को प्रातः 11:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक संभागीय स्तर पर धरना-प्रदर्शन एवं रैली आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से कर्मचारियों की मांगों को शासन तक पहुंचाते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की जाएगी।

स्वर्गीय धनीराम यादव की शोकसभा में पहुंचे प्रदेश पदाधिकारी, पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों को बंधाया ढांडस

भटगांव। विधानसभा बिलाईगढ़ क्षेत्र के आमगांव बार, नवापारा निवासी स्वर्गीय धनीराम यादव की शोकसभा में प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पदाधिकारियों ने मृतात्मा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोककुल परिवार को ढांडस बंधाया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष भगत सिंह यादव, राजनीतिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष तीर्थ यादव, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष चंद्रराम यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी धनेश यादव, घमटरी संगठन मंत्री रमेश यादव, सोहन यादव ब्लॉक अध्यक्ष महासमुंद, भगवती यादव कोषाध्यक्ष कुरूद, मनोज यादव सचिव महासमुंद, संतोष यादव अध्यक्ष बलौदा परिक्षेत्र, संतोष यादव पूर्व सचिव बिलाईगढ़, राम कुमार यादव जिला उपाध्यक्ष, कार्तिक राम यादव जिला अध्यक्ष बलौदाबाजार ग्रामीण, बाबूलाल यादव अध्यक्ष बार परिक्षेत्र, प्रताप यादव जिला सहायक सचिव, तिलक राम यादव बार परिक्षेत्र उपाध्यक्ष, जयलाल यादव उपाध्यक्ष देवरी राज, गुरुदेव यादव कोषाध्यक्ष बार परिक्षेत्र, चैन सिंह यादव सलाहकार बार परिक्षेत्र, शांति लाल यादव महामंत्री बार परिक्षेत्र, पद्म लाल, सोहन यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय धनीराम यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।



शिविर से दिव्यांगजनों के हौसलों को मिले पंख, जगा आत्मविश्वास

बलौदाबाजार। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिये कृत्रिम अंग, कैलिंगर्स, रिप्लेंट वितरण शिविर केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसी के जीवन में फिर से चलने, खड़े होने और आत्मनिर्भर बनने के सपने ही उनके हौसलों और उम्मीद को बख्ते वाला को विश्वास मिला। जिले के जनपदों में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग, कैलिंगर्स एवं रिप्लेंट निर्माण एवं प्रदाय के शिविर लगाए गए इन शिविरों में कहीं किसी ने वर्षों बाद अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश की, तो कहीं किसी ने पहली बार यह महसूस किया कि अब उसकी माँजिल उससे दूर नहीं है। किसी के लिए यह एक कृत्रिम हाथ था, लेकिन उस हाथ में फिर से अपने परिवार का हाथ धामने की उम्मीद थी। किसी के लिए कैलिंगर्स थे, लेकिन उनके सहारे केवल कदम नहीं, आत्मविश्वास भी आगे बढ़ रहा था। किसी के लिए रिप्लेंट था, लेकिन उसके साथ जीवन



को सामान्य गति से जीने का सपना जुड़ था। शिविर में जब दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग पहनाकर खड़ा किया गया, तो उनके चेहरे पर दिखाई देने वाली मुस्कान किसी प्रमाण-पत्र या आंकड़े से कहीं बड़ी थी। कई परिवारों के लिए यह क्षण भावुक कर देने वाला था। वर्षों से अपने प्रियजन को कठिनाइयों के साथ जीवन जीते देखने वाले परिजनों की आंखों में भी उम्मीद की चमक दिखाई दी। जनपद पंचायत बलौदाबाजार, भाटपारा, फलारी, सिमगा एवं कसडोल में इन पांच दिनों में शिविरों ने यह संदेश दिया कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति के

रंग मंदिर ब्राह्मण पारा में गमगीन माहौल में गणेश विसर्जन, नम आंखों से दी बप्पा को विदाई

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के ब्राह्मण पारा स्थित रंग मंदिर प्राण में विराजित भगवान श्री गणेश जी का विसर्जन बड़े ही गमगीन और भक्तिमय माहौल में किया गया। बीपी जेन के सदस्यों द्वारा स्थापित गणपति बप्पा की पिछले 10 दिनों से पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की जा रही थी। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जब बप्पा के विसर्जन का समय आया तो पूरा पंडाल नम आंखों और गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से गुंज उठा। इस वर्ष बीपी जेन, ब्राह्मण पारा के युवाओं ने रंग मंदिर में बेहद आकर्षक और भव्य गणेश पंडाल सजाया था। पंडाल को फूलों, लाइटों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। रोजाना सुबह और शाम आरती, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा था। नगर के सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन बप्पा के दर्शन के लिए पहुंच रहे थे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में गणेश उत्सव को लेकर भारी उत्साह देखा गया। वहीं बीपी जेन के सदस्यों ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन पूरे घूमघाम से रंग मंदिर में गणेश जी की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से ही लगातार 10 दिनों तक सुबह 7 बजे और शाम 7 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के बाद प्रसाद वितरण और



नम आंखों से दी विदाई, निकली भव्य शोभायात्रा

विसर्जन के दिन दोपहर से ही रंग मंदिर में भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। बीपी जेन के सदस्यों ने सबसे पहले गणेश जी की आर्ति आरती की, हवन पूजन किया और बप्पा से सुख-समृद्धि की कामना की। आरती के दौरान कई सदस्यों की आंखें नम हो गईं। 10 दिनों तक जिन बप्पा की सेवा की, उन्हें विदा करने का दुख सभी के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था। आरती के बाद गणेश जी की भव्य शोभायात्रा निकली गई। शोभायात्रा रंग मंदिर ब्राह्मण पारा से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों जैसे शनि चौक, शीतला चौक, साईं मंदिर, गायत्री मंदिर, बस स्टैंड से होते हुए विसर्जन स्थल तालाब तक पहुंची। शोभायात्रा में आगे-आगे खेल-नगाड़े और डीजे चल रहा था, जिसकी धुन पर युवा गणपति बप्पा मोरया और एक दो तीन चार, गणपति की जय जयकार के नारे लगाते हुए नाच रहे थे। शोभायात्रा में बीपी जेन के सभी सदस्य एक ही रंग की टी-शर्ट में नजर आए, जो एकता और संगठन का प्रतीक था। नगरवासियों ने जगह-जगह शोभायात्रा पर फूलों की वर्षा की और गणेश जी की आरती उतारी। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल बना रहा।

तालाब में किया गया विसर्जन, पर्यावरण का रखा गया ध्यान

शोभायात्रा जब विसर्जन स्थल पहुंची तो वहां पहले से ही नगर पंचायत द्वारा सुरक्षा और सफाई की व्यवस्था की गई थी। बीपी जेन के सदस्यों ने पर्यावरण का ध्यान रखते हुए तालाब में निर्मित अस्थायी कुंड में गणेश जी का विसर्जन किया। विसर्जन से पहले सभी ने बप्पा से अगले बरस जल्दी आने की प्रार्थना की और अपने परिवार व नगर की खुशहाली की कामना की। विसर्जन के दौरान पुलिस के जवान भी मौजूद रहे ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। विसर्जन शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हुआ।

बीपी जेन के सदस्यों ने पूरे ब्राह्मण पारा को भगवा ध्वज और लाइटों से सजाया था, जिससे पूरा मोहल्ला दुल्हन की तरह सजा हुआ लग रहा था।

आंगन मिलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुई सरला कोसरिया



सरयापल्ली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विधानसभा के आंगनबाड़ी केंद्र गढ़गांव में आयोजित आंगन मिलन कार्यक्रम में सरला कोसरिया सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता के साथ गर्भवती माता-बहनों का गर्भ संस्कार एवं अन्नप्रशान संस्कार कराया गया। मातृशक्ति के स्वास्थ्य, संस्कार और सम्मान के प्रति समर्पित होकर जनसेवा का यह संकल्प निरंतर जारी रहेगा।

नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन व पार्षदों ने नया बस स्टैंड के नवनिर्माण एवं यात्री प्रतीक्षालय का किया अवलोकन

बलौदाबाजार। नगरपालिका द्वारा अधोसंरचना मद्द से नवनिर्मित नया बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के निर्माण एवं व्यवसायिक परिसर का नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा निरीक्षण किया गया, निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखने के साथ ही यात्रियों के लिए बैठने हेतु बनाए जा रहे प्रतीक्षालय का अवलोकन भी किया गया, इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने आसपास बेतरतीब वाहनों के खड़े होने व अतिक्रमण का अवलोकन कर कार्यवाही के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने यात्रियों के बैठने हेतु बनाए जा रहे यात्री प्रतीक्षालय में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के



साथ ही पेयजल की भी सुविधा उपलब्ध कराने एवं यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात कही गई। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महले, सभापति जितेंद्र डडसेना,हरजीत सिंह सलूजा, कन्हैया सेन, मनोज कान्त पुरेना, आदित्य गुप्ता, सचिव रोहित साहू ,सतीश पटेल, लोकेश चेलक, गौतम

25 लाख गरीब परिवारों को राशन से वंचित रखना साय सरकार की प्रशासनिक विफलता और गरीब विरोधी मानसिकता का प्रमाण: विनोद चंद्राकर

महासमुंद। प्रदेश की भाजपा सरकार की गरीब विरोधी नीति और लचर प्रशासनिक व्यवस्था एक बार फिर उजागर हुई है। सितंबर 2026 के अंत तक छत्तीसगढ़ में लगभग 25.45 लाख राशन कार्डधारी परिवारों को चावल का वितरण नहीं हो पाने की स्थिति सामने आई है। यह स्थिति सरकार की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की गंभीर खामी को दर्शाती है। पूर्व संसदीय सचिव, छत्तीसगढ़ शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर ने इसे सरकार का भंडारण सुनिश्चित नहीं किया गया, जिसके कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा 30 सितंबर तक दो माह का राशन वितरित करने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन महासमुंद थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और जरूरतमंद



परिवारों को महीने के अंतिम दिनों तक भी राशन नहीं मिल पा रहा है। सरकार के दावों और वास्तविक स्थिति में स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है। समय पर उचित मूल्य की मुकानों में पर्याप्त मात्रा में चावल का भंडारण सुनिश्चित नहीं किया गया, जिसके कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा 30 सितंबर तक दो माह का राशन वितरित करने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन महासमुंद थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और जरूरतमंद

है। जिले के अछेली, मचेवा, मानपुर सहित अनेक गांवों से राशन उपलब्ध नहीं होने और हितग्राहियों को खाली हाथ लौटने की शिकायतें सामने आ रही हैं। पूरे प्रदेश में लाखों परिवार राशन का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के साथ गरीब परिवारों के सामने चिंता और परेशानी बढ़ गई है। चंद्राकर ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में केवल चावल ही नहीं, बल्कि शक्कर की उपलब्धता को लेकर भी हितग्राहियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई राशन दुकानों में लंबे समय से शक्कर उपलब्ध नहीं होने के कारण गरीब परिवारों को बाजार से अधिक कीमत पर शक्कर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे पहले से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

महानदी उफान पर: सारंगढ़-रायगढ़ और चंद्रपुर-बरमकेला मार्ग बंद, मां चंद्रहासिनी मंदिर का कार्किंग स्थल डूबा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट



भटगांव। जिले में लगातार हो रही बारिश और महानदी का जलस्तर बढ़ने के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। महानदी के उफान पर आने से जिले के दो सबसे महत्वपूर्ण मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गए हैं, जिससे हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने महानदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। जानकारी के अनुसार बीती रात महानदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। रात में पानी बढ़ने के बाद चंद्रपुर से बरमकेला जाने वाला लातनाला पुल पानी में डूब गया। पुल के ऊपर से करीब 3 से 4 फीट पानी बहने लगा, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से इस पुल पर आवागमन बंद कर दिया। यह पुल चंद्रपुर को बरमकेला ब्लाक से जोड़ने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग है। इस पुल के बंद होने से बरमकेला, चंद्रपुर, गबौद, कनकबीरा, बिलाईगढ़ सहित दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। रात से ही पुल के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की कतार लगी हुई है। स्कूल बसें,



एंबुलेंस और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है। रात में लातनाला पुल बंद होने के बाद सुबह होते ही हालात और ज्यादा बिगड़ गए। सारंगढ़ से रायगढ़ जाने वाला मुख्य मार्ग भी अब बाधित हो गया है। चंद्रपुर पुल से ठीक पहले टिमरलगा गांव के पास मुख्य सड़क पर महानदी का पानी आ गया है। बताया जा रहा है कि सड़क पर 2 से 3 फीट तक पानी तेजी से बह रहा है। कोई भी छोटा-बड़ा वाहन इस पानी को पार करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। वहीं इस मार्ग पर कुछ ही दूरी पर आगे मांड नदी के पास भी सड़क पर पानी भर चुका है। मांड नदी भी अपने उफान पर है और उसका पानी भी सड़क पर आ गया है। इस तरह एक ही मार्ग पर दो जगह पानी भरने से सारंगढ़ से रायगढ़ जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी

पहुंच सकता है। इधर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टर के निर्देश पर राज्य विभाग, पुलिस विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार महानदी किनारे बसे गांवों में पहुंच रही हैं। प्रशासन द्वारा गांवों में

कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई जा रही है। लोगों को नदी किनारे न जाने, बच्चों को नदी के पास न भेजने और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी जा रही है। प्रशासन ने विशेष रूप से टिमरलगा, चंद्रपुर, लात, बरमकेला, गबौद, कनकबीरा, बिलाईगढ़ और सारंगढ़ के निचले इलाकों में बसे लोगों को सतर्क किया है। नदी किनारे बसे परिवारों को जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के लिए भी कहा गया है। प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए नाव, गोताखोर और अन्य संसाधनों को भी तैयार रखा है। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि इस समय किसी भी कीमत पर नदी, नाले, पुल या जलप्रपात वाली सड़क से गुजरने की कोशिश न करें।

एक से बढ़कर एक नयनाभिराम झांकियों ने मोहा मन, उमड़ा जनसैलाब



कुरूद। कुरूद नगर में श्री गणेश विसर्जन झांकियां निकलना प्रारंभ हुईं और खिचवार देर सुबह तक इनका सिलसिला जारी रहा। लगभग 19 समितियों द्वारा निकाली गई इन मनमोहक झांकियों में सभी में एक नयापन देखने को मिला। घूमल और डीजे से मनभावित करती ध्वनि, आकर्षक बैकग्राउंड और लाइट डेकोरेशन सहित और झालर पुष्पवर्षा से सुसज्जित झांकियों ने हर किसी का ध्यान खींचा और थिरकने पर मजबूर कर दिया। निकाली गई झांकियों में नक्सलियों का पुनर्वसन, बस्तर की संस्कृति, बाली-सुग्रीव युद्ध, नवगुंजा के नौ अंगों का प्रतीकात्मक अर्थ, वीर बबरीक द्वारा

दान देना, लाल-बाल-पाल द्वारा श्री गणेश उत्सव के प्रारंभ करने का वर्णन सहित गणेश जी के मनभावन रूपों की नयनाभिराम झांकियां निकाली गईं जिसे देखने बड़ी संख्या में नगर और क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। इन झांकियों का भव्य स्वागत करने पुराना बाजार चौक में बोल बम सेवा समिति और आजाद हिंदू युवा मंच द्वारा भव्य स्वागत मंच बनाया गया। जहां नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर, बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष भानु चंद्राकर, खिड़ू देवांगन, किशोर यादव, धनेश्वर तारक, कपल शर्मा, मुकेश कश्यप, केशव चंद्राकर सहित बोल

बम सेवा समिति के सदस्यों ने गजानन स्वामी पर पुष्प वर्षा कर सभी झांकियों सहित गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान कर प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसी तरह इसी से थोड़ा आगे आजाद हिंदू युवा मंच द्वारा युवाओं ने भी सभी का स्वागत सम्मान किया। इस दौरान इस मंच पर भाजयुमो नेता अनुराग चंद्राकर, भूपेन्द्र सिन्हा, करण नाग सहित बड़ी संख्या में आजाद हिंदू युवा मंच के युवा पूरे जोश और उत्साह के साथ सभी समितियों का पुनर्वसन, बस्तर की संस्कृति, बाली-सुग्रीव युद्ध, नवगुंजा के नौ अंगों का प्रतीकात्मक अर्थ, वीर बबरीक द्वारा

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 20 साल की सजा

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी विवेचना से नाबालिग बालिका के अपहरण, दुष्कर्म और वीडियो बनाकर धमकी देने के मामले में आरोपी को कठोर सजा दिलाने में सफलता मिली है। विशेष पॉक्सो न्यायालय भाटापारा ने आरोपी मनीष डोण्डे (24) को 20 वर्ष के कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। मामले के अनुसार 15 जुलाई 2024 को बालिका के परिजनों ने थाना भाटापारा ग्रामीण में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 15 वर्षीय बालिका 6 जुलाई को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, जिसके बाद आरोपी उसे मोटरसाइकिल से मदकुद्दीप ले गया। वहां दुष्कर्म करने और घटना का वीडियो बनाने के बाद आरोपी ने पैसे की मांग की तथा पैसे नहीं देने पर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर ज़रूरी की और बालिका को सफ़ुल्ल बरामद किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटना से जुड़े दस्तावेजी एवं वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। बालिका की आयु की पुष्टि के लिए विद्यालय संबंधी दस्तावेज जन्म किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जन्म की गई। पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण और अन्य आवश्यक साक्ष्य भी संकलित किए गए। तत्कालीन विवेचना अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक पुष्पा रातौर एवं टीम ने समयबद्ध विवेचना पूरी कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी के साथ समन्वय कर अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत किए।

गांजा लेकर जा रहा युवक गिरफ्तार किए

रायपुर। डोंगरगांव पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 774 ग्राम गांजा के साथ 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटरसाइकिल से गांजा लेकर बिचौरी के उद्देश्य से जा रहा था। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर ग्राम पांगरीकला से सांकरदाहारा मार्ग पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 08 एएन 8374 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन की डिब्की में रखे पीले कपड़े के बैग से 774 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान पीयूष कुमार साहू (19), निवासी ग्राम पांगरीकला, डोंगरगांव के रूप में हुई है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 298/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस वाहन स्वामी की जानकारी जुटाने के साथ मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

छत्तीसगढ़ में दो जगह दबिश 988 नशीले कैप्सूल के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ धमती पुलिस ने कुरुद क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 988 नशीले कैप्सूल, 2,050 रुपये नगद और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री को कीमत 27,243 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में की गई कार्रवाई में कुरुद पुलिस ने 24 सितंबर को ग्राम उमरदा स्थित विशाखापट्टनम ओवरब्रिज के पास दबिश देकर कार्तिक कोसिरिया (22) निवासी गांधी चौक कुरुद और पंकज पटेल (25) निवासी उमरदा को नशीले कैप्सूल की बिक्री करते पकड़ा। इनके कब्जे से 613 कैप्सूल, 1,050 रुपये नगद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस मामले में थाना कुरुद में अपराध क्रमांक 315/एक्ट के तहत धारा 22(क), 29 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी तरह ग्राम भरदा ओवरब्रिज के नीचे चाय दुकान के पास कार्रवाई कर पुलिस ने गुलशन साहू (25) निवासी भरदा को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 375 नशीले कैप्सूल, 1,000 रुपये नगद और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। इस मामले में अपराध क्रमांक 316/26 के तहत धारा 22(ख), 29 एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशीले कैप्सूल 100 रुपये प्रति नग की दर से बेचते थे। इस आधार पर 988 कैप्सूल की अनुमानित बाजार कीमत 98,800 रुपये आंकी गई है।

रायपुर में लगातार बारिश से बिगड़े हालात, कई इलाकों में जलभराव

रायपुर। राजधानी रायपुर में लगातार हो रही बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सड़कें पानी से लबालब हैं, जिससे लोगों को आवाजाही और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी जमा होने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर टाटीबंघ इलाके में देखने को मिला है, जहां लगातार बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया है। जलभराव के कारण वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानी हो रही है और यातायात की रफ्तार भी प्रभावित हुई है। वहीं दुर्ग-कुम्हरी मार्ग के चंदनडीह क्षेत्र में भी बारिश का पानी सड़क पर जमा हो गया है। सड़क पर पानी भरने के चलते यहां यातायात प्रभावित हुआ है।

लामकन्हार के विकास के लिए 85 लाख रुपए की सौगात

नक्सलवाद के प्रभाव से निकलकर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा क्षेत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान की सराहना

मुनगा के पोषण लाभों को जन-जन तक पहुंचाने और हर घर में पौधा लगाने का किया आह्वान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के अंतगढ़ विकासखंड के ग्राम लामकन्हार स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की

138वीं कड़ी का श्रवण किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के अलग-अलग हिस्सों में जनभागीदारी से हो रहे सकारात्मक बदलावों और नवाचारों को 'मन की बात' के माध्यम से राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के प्रयासों का उनके द्वारा लगातार उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। इससे हमारे स्थानीय प्रयासों को नई पहचान मिलने के साथ ही बेहतर कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान कुपोषण के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की लड़ाई को जनभागीदारी से और प्रभावी बनाने की



दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मुनगा सहज उपलब्ध होने के साथ पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसके पत्ते, फल और फूल भोजन में उपयोग किए जाते हैं तथा इनमें आयरन सहित अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपने घरों में मुनगा का पौधा लगाने तथा इसके पोषण संबंधी लाभों के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति, जनगणना में नागरिकों की भागीदारी, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा 'वोकल फॉर लोकल' सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने सितंबर माह को कुपोषण के विरुद्ध

लड़ाई को समर्पित पोषण माह के रूप में रेखांकित करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में पोषण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में उन्होंने छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान की चर्चा की। इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौष्टिक मुनगा अर्थात् मोरिंगा को दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने

और इसके पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के जनभागीदारी आधारित प्रयासों और नवाचारों को लगातार स्थान दे रहे हैं। इससे पहले बस्तर पंडुम, बस्तर ओर्लोपिक, मल्हार में प्राप्त ऐतिहासिक ताम्रपत्र और कोरिया जिले के '5 प्रतिशत जल संचय मॉडल' जैसे प्रयासों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरिया जिले का '5 प्रतिशत जल संचय मॉडल' स्थानीय आवश्यकता और जनभागीदारी से निकला एक प्रभावी समाधान है। इसके अंतर्गत किसान अपने खेत के पांच प्रतिशत हिस्से में जल संचयन की व्यवस्था करते हैं। इससे आवश्यकता के समय फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होता है और भूजल स्तर बढ़ाने में भी सहायता मिलती है।

रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने पर्यटन एवं संस्कृतिमंत्री राजेश

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल से आज नया रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक विरासत और अतृ्डी आस्था के प्रतीक रामनामी समुदाय के सदस्यों ने आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने रामनामी समुदाय की आस्था, परंपरा, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर समुदाय के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामनामी समुदाय छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक-सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समुदाय की आस्था, परंपराएं और जीवनशैली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी

जीवंत बनाए रखने का कार्य करती हैं। 'राम-नामी' डॉक्यूमेंट्री को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की उपलब्धि नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और रामनामी समाज की जीवंत विरासत का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। इस फिल्म के माध्यम से रामनामी समाज की विशिष्ट पहचान, उनकी आस्था और सांस्कृतिक जीवन को देशभर में पहचान मिली है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता, जीवंतता और जनजीवन से गहरा जुड़ाव है। यहां की लोक परंपराएं, जनजातीय एवं लोक कलाएं, आस्था से जुड़ी परंपराएं और समुदायों की विशिष्ट जीवनशैली प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। रामनामी समाज की परंपराएं इसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

सौर पंप से बढ़ी किसान हरण सिंह की आमदनी

रायपुर। मस्तूरी विकासखंड के ग्राम जुहली निवासी किसान हरण सिंह के लिए सौर सुजला योजना खेती के लिए मददगार साबित हुई है। पहले सिंचाई के लिए बारिश पर निर्भर रहने वाले हरण सिंह अब सोलर पंप को मदद से खरीफ और रबी दोनों फसलों का उत्पादन कर रहे हैं। हरण सिंह ने बताया कि सिंचाई की सुविधा नहीं होने से खेती में कठिनाई होती थी। सौर सुजला योजना के तहत अनुदान सहायता से खेत में सोलर पंप स्थापित कराने के साथ सिंचाई पहाड़ भी खरीदा। अब सौर ऊर्जा से संचालित पंप के जरिए ज़रूरत के अनुसार खेतों में सिंचाई हो रही है। इससे खेती का दायरा बढ़ा है और उत्पादन व आमदनी में भी सुधार हुआ है। हरण सिंह को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी मिल रहा है।

कहीं भी आवाजाही बाधित न हो तूफान से क्षतिग्रस्त सड़कें-पुल तत्काल सुधारें-अरुण साव.....

रायपुर/ संवाददाता

लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों को दुरुस्त करने लोक निर्माण विभाग ने तत्काल कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि क्षतिग्रस्त मार्गों व पुलों की मरम्मत में किसी तरह की देरी न हो और लोगों की आवाजाही कहीं भी प्रभावित न हो। जहां तत्काल सुधार संभव है, वहां संबंधित एजेंसी और ठेकेदार से शीघ्र मरम्मत कराकर यातायात शुरू कराया जाए। ज्यादा नुकसान वाले हिस्सों के पुर्ननिर्माण और विशेष



मरम्मत के प्रस्ताव भी तेजी से तैयार किए जाएंगे। इसके लिए तत्काल पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में 24 सितम्बर से 26 सितम्बर तक लगातार हुई बारिश से लगभग सभी नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर पुल-पुलियों के ऊपर से भी पानी बहा है। पानी उतरने के बाद कई

मार्गों और पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और उप अभियंताओं को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने सभी मैदानी अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नुकसान का तत्काल आकलन कर संभावित राशि की जानकारी अकाउंटेंट जनरल को भेजते हुए सभी संबंधित कार्यालयों को प्रतिलिपि उपलब्ध कराने को कहा है।

जन्मजात समस्या से राहत मिली चिरायु योजना ने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान....

निःशुल्क उपचार से अयान, अंजलि और सविता को मिला नया आत्मविश्वास

रायपुर। संवाददाता

जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में रहने वाले बच्चों के लिए शासन की चिरायु योजना स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। योजना के तहत जन्मजात स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बच्चों की पहचान कर उन्हें बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में 20 से 24 सितंबर 2026 के दौरान बीजापुर जिले के तीन बच्चों का कटे-पटे होंट एवं तालु की समस्या का सफल उपचार रायपुर स्थित श्री मेडिशाल

अस्पताल में कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी के निर्देशानुसार तथा बीएमओ डॉ. चलापति के मार्गदर्शन में चिरायु टीम बीजापुर ने बच्चों को चिन्हांकित कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उन्हें विशेषज्ञ उपचार के लिए रायपुर भेजा। सफल उपचार के बाद बच्चों के परिवारों में खुशी का माहौल है। गंगालू निवासी 1 वर्ष 3 माह के अयान साहनी, पिता संतोष साहनी, जन्म से कटे होंट की समस्या से जूझ रहे थे। चिरायु टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान अयान की समस्या की पहचान की गई। आवश्यक जांच एवं प्रक्रिया के बाद मेडिशाल अस्पताल, रायपुर में उसका सफल उपचार कराया गया। उपचार के बाद अयान के चेहरे पर आई बदलाव ने उसके परिवार को

नई उम्मीद दी है। इशूलनार निवासी 8 वर्षीय अंजलि हापका, पिता सुखमा हापका, भी कटे होंट की समस्या से प्रभावित थीं। चिरायु टीम ने अंजलि को उपचार के लिए चिन्हांकित किया और विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका सफल ऑपरेशन कराया गया। उपचार के बाद अंजलि के परिवार को राहत मिली है और अब उसके बेहतर स्वास्थ्य एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है। तोड़का निवासी 3 वर्षीय सविता ताती, पिता बीजू ताती, भी जन्मजात कटे होंट की समस्या से प्रभावित थीं। चिरायु योजना के माध्यम से उनकी पहचान कर आवश्यक उपचार की प्रक्रिया पूरी की गई। रायपुर के मेडिशाल अस्पताल में सविता का सफल उपचार कराया गया।

आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के साथ सेह और अपनत्व की खुशियां, ग्राम मट्टा में हुआ न्योता भोज

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत आज जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मट्टा के आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ आत्मीयता, खेह और अपनत्व से भरा न्योता भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष भरतपुर मायाप्रताप सिंह सहित प्रदीप कुमार मंडल अध्यक्ष, हीरालाल यादव महामंत्री, सरपंच धरमपाल बैगा, रामाश्रय पाण्डेय महामंत्री, कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिसा, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं नेहा खलखो, उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित अतिथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीय समय बिताया। न्योता भोज का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने के साथ उनमें अपनत्व और सामुदायिक सहभागिता को भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। जनप्रतिनिधियों और अतिथियों के साथ भोजन पाकर बच्चों में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। बच्चों के चेहरे पर दिखाई दी मुस्कान ने पूरे आयोजन को आत्मीय बना दिया।

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ आगे बढ़ी पदयात्रा

विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में 28 वें वर्ष में भी नशामुक्ति अभियान जारी.....

रायपुर। संवाददाता



गई। इसके पश्चात पदयात्रा गौरव पथ से होते हुए भीमराव अंबेडकर चौक पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त भारत और नशामुक्त छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने के

उद्देश्य से पिछले 27 वर्षों से लगातार नशामुक्ति पदयात्रा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान अब अपने 28वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जनजागरण किसी एक व्यक्ति या संस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक

जिम्मेदारी है। विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें शिक्षा, खेल, संस्कार एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। श्री मिश्रा ने कहा कि युवा देश और समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देकर ही स्वस्थ परिवार, संस्कारवान समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। नशामुक्ति के इस अभियान को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अगस्त 2026 को प्रारंभ किए गए 'नशा मुक्त युवावृद्धिकसित भारत संकल्प अभियान' से भी जोड़ा गया। यह 100 सप्ताह का राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी अभियान है।



महतारी वंदन की 31वीं किस्त से खरीदी सिलाई मशीन, घर बैठे सिलाई का काम कर परिवार की आर्थिक जरूरतों में निभा रही भागीदारी

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई राह खोल रही है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वरोजगार की दिशा में भी कदम बढ़ा रही हैं। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत गोरखपुर के आवास मोहल्ल निवासी श्रीमती लक्ष्मी मांझी की कहानी भी इसी बदलाव की एक प्रेरक मिसाल है। श्रीमती लक्ष्मी मांझी बताती हैं कि सिलाई से होने वाली आय और महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग वे परिवार की आवश्यकताओं के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी कर रही हैं। बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर पाना उनके लिए संतोष और आत्मविश्वास का विषय है। वे कहती हैं कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से परिवार की लिए न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करना आसान बनाया, बल्कि

उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया। श्रीमती लक्ष्मी मांझी ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदने का निर्णय लिया। सिलाई मशीन मिलने के बाद उन्होंने घर से ही सिलाई का काम शुरू कर दिया। अब वे आसपास की महिलाओं और परिवार के लोगों के कपड़े सिलकर अपनी आय अर्जित कर रही हैं। पहले जहां अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भरता रहती थी, वहीं अब सिलाई के काम से होने वाली आमदनी के माध्यम से श्रीमती लक्ष्मी मांझी परिवार की आर्थिक व्यवस्था में स्वयं योगदान दे रही हैं। घर से ही काम करने की सुविधा के कारण वे घरेलू जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए स्वरोजगार भी कर पा रही हैं। श्रीमती लक्ष्मी मांझी बताती हैं कि सिलाई से होने वाली आय और महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग वे परिवार की आवश्यकताओं के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी कर रही हैं। बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर पाना उनके लिए संतोष और आत्मविश्वास का विषय है। वे कहती हैं कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत हुई है।

संपादकीय

मण्णपुर हिंसा व राहत शिविरों में मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है। सरकार को अब सिर्फ राहत बांटने के बजाय विस्थापितों की सुरक्षा, शांति बहाली और सम्मानजनक घर वापसी सुनिश्चित करनी होगी। किसी राज्य में अगर लंबे समय से एक विशेष तरह की हिंसा लगातार व्यवस्था का मुंह चिढ़ाती रहे, तो सरकार की नीतियों और नैतिक प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। मण्णपुर में जातीय संघर्ष शुरू

होने के बाद से जो हालात बने हैं और उससे निपटने के लिए विभिन्न स्तरों पर जिस तरह की उदासीनता रही है, उससे राज्य के सामाजिक ताने-बाने एवं सम्मान से जीवन जीने की गरिमा को भी गहरी चोट पहुंची है।आए दिन हिंसक घटनाओं में निंदोष लोगों की जान जाने के साथ ही आमजन का शासन-प्रशासन पर भरोसा भी कमजोर होता जा रहा है। इस सब के बीच सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को झेलनी पड़ रही है,

जिन्होंने अपना घर, जमीन एवं रोजगार खो दिया है और लंबे समय से राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।विकट परिस्थितियों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को इस पर कड़ी नाराजगी जताई और राज्य सरकार से राहत शिविरों में हुई मौत के मामलों की जांच तथा विस्थापित परिवारों की सुरक्षा के लिए बंदोबस्त का पूरा ब्योरा देने को कहा है। मण्णपुर में जातीय संघर्ष मई, 2023 में शुरू

हुआ था। तब से लेकर राज्य में हिंसक घटनाओं में ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों विस्थापित हुए हैं। हालांकि, कुछ समय के लिए तनाव थोड़ा कम हुआ था, लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिन तक कायम नहीं रह पाई। राज्य में हिंसा फिर से तेज हो गई है।पिछले सप्ताह तमंगलों और लांगपी में उग्रवादियों की गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके दो दिन बाद उग्रवादियों ने

लीसांगफाई में दो महिलाओं की हत्या कर दी। सवाल है कि आखिर सरकार की नीतियों में जातीय संघर्ष को खत्म कर हिंसा को रोकने की प्रतिबद्धता नजर क्यों नहीं आती है?सरकार को उसका काम सर्वोच्च अदालत को क्यों याद दिलाना पड़ रहा है! आठ जिलों के राहत शिविरों में छह सौ चालीस मौतें और उनमें पच्चीस लोगों की अप्राकृतिक तरीके से मौत के मामले से यह सवाल उठ है कि हिंसा और अराजकता से पीड़ित लोगों ने जब राहत

शिविरों में शरण ली, तो वहां भी उनका जीवन सुरक्षित नहीं रहा।दरअसल, विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविरों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी अस्थायी प्रकृति है। किसी आपदा के बाद कुछ समय के लिए बनाए गए शिविर लंबे समय तक रहने की जगह बन जाएं, तो यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वहां बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम किया जाए। सीमित जगह में बड़ी संख्या में लोगों का रहना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक क्षेत्रीय नेता से वैश्विक पटल पर सबसे प्रभावशाली शीर्ष नेताओं में शामिल होना, उनकी सुदृढ़ रणनीतिक सोच, जनसंपर्क क्षमता और कूटनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रमुख और चर्चित चेहरों में से एक हैं। देश की जनता उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखती है, और विपक्षी नेताओं के साथ उनके राजनीतिक समीकरणों के पीछे कई रणनीतिक कारण हैं।

प्रधानमंत्री कैसे विश्व के ताकतवर नेता बन गए? उनके गूढ़ राजनीतिक गुणों के बारे में जानिए

(कमलेश पांडे)। पीएम मोदी ने पारंपरिक गुटनिपेक्षता की नीति को बदलते हुए ‘मल्टी-अलाइनमेंट’ की रणनीति अपनाई। भारत ने एक ही समय में अमेरिका, रूस, यूरोप और मध्य-पूर्व (खाड़ी देशों) के साथ मजबूत व्यापारिक और सुरक्षा संबंध बनाए रखे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक क्षेत्रीय नेता से वैश्विक पटल पर सबसे प्रभावशाली शीर्ष नेताओं में शामिल होना, उनकी सुदृढ़ रणनीतिक सोच, जनसंपर्क क्षमता और कूटनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रमुख और चर्चित चेहरों में से एक हैं। देश की जनता उन्हें अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखती है, और विपक्षी नेताओं के साथ उनके राजनीतिक समीकरणों के पीछे कई रणनीतिक कारण हैं।

तो आइए सबसे पहले उनके प्रमुख गूढ़ राजनीतिक गुण निम्नलिखित हैं- एक, रणनीतिक कूटनीति और बहु-ध्रुवीय संतुलन:- पीएम मोदी ने पारंपरिक गुटनिपेक्षता की नीति को बदलते हुए मल्टी-अलाइनमेंट की रणनीति अपनाई। भारत ने एक ही समय में अमेरिका, रूस, यूरोप और मध्य-पूर्व (खाड़ी देशों) के साथ मजबूत व्यापारिक और सुरक्षा संबंध बनाए रखे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच वैश्विक दबावों के बावजूद भारत के राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना और वैश्विक दक्षिण की आवाज बनना उनकी मजबूत कूटनीतिक क्षमता को दर्शाता है।

दो, दूरदर्शी जन-संचार और ब्रांडिंग:- मोदी जी जन-संवाद के अद्वितीय विशेषज्ञ हैं। मन की बात, विशाल जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से वे जनता से सीधे जुड़ते हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को वैश्विक मंचों (जैसे- योग दिवस, जी-20 की भारत की अध्यक्षता, ब्रिक्स की अध्यक्षता) पर प्रस्तुत कर देश की सॉफ्ट पावर को अत्यधिक मजबूत किया है।

तीन, साहसिक और निर्णायक निर्णय क्षमता:- राजनीतिक जोखिम उठाने और बड़े फैसले लेने में वे हिझकते नहीं हैं। सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 का निष्प्रभावीकरण, जीएसटी, और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से उन्होंने यह संदेश दिया कि वे दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित के लिए कड़े कदम उठाने में सक्षम हैं।

चार, तकनीकी और कल्याणकारी सुशासन- डिजिटल इंडिया, आधार और यूपीआई के समावेश से सीधे बैंक खातों में जन-कल्याणकारी योजनाओं का पैसा पहुंचाकर उन्होंने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया और

प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाई। इस मॉडल को वैश्विक स्तर पर एक सफल उदाहरण के रूप में देखा जाता है। पांच, कैडर संगठन और विशाल राजनीतिक तंत्र- जमीनी स्तर पर काम करने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के कैडर संगठन का गहरा अनुभव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। वे केवल नीतियों पर ध्यान केंद्रित नहीं करते, बल्कि उन नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए पार्टी कैडर



और नीकरशाही का कुशलता से उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक विदेश नीति और प्रमुख आंतरिक सुधारों का विवरण इस प्रकार है-

एक, वैश्विक विदेश नीति:- भारत प्रथम और बहु-ध्रुवीय कूटनीति- भारत की आधुनिक विदेश नीति को मोदी सिद्धांत के रूप में भी देखा जाता है। इसके मुख्य स्तंभ हैं

पड़ोस प्रथम नीति- दक्षिण एशिया में भारत की उपस्थिति और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढांचे, बिजली और कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देना। एक्ट ईस्ट नीति- पूर्वी एशियाई और आसियान- देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को गहरा करना।

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व- विकासशील और गरीब देशों की प्राथमिकताओं (जैसे जलवायु न्याय, ऋण राहत और खाद्य सुरक्षा) को प्रतिशत20 जैसे मंचों पर उठाना।

रणनीतिक स्वायत्तता- किसी एक गुट में शामिल न होकर राष्ट्रहित के आधार पर अमेरिका, रूस, इजराइल और खाड़ी देशों के साथ स्वतंत्र संबंध बनाना।।

दो, प्रमुख आंतरिक सुधार-प्रशासनिक और आर्थिक कायाकल्प के क्षेत्र, प्रमुख पहल, उसके प्रभाव और परिणाम।

डिजिटल क्रांति- डिजिटल इंडिया ,भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान तंत्र बन गया; पारदर्शिता में वृद्धि करना।

- कल्याणकारी तंत्र- डीबीटी जन धन योजना, बिचौलियों का ख़ाता; करोड़ों रुपये की सीधे लाभार्थियों के खातों में डिलीवरी करना।



कर व आर्थिक सुधार- जीएसटी आईबीसी, एक देश, एक कर व्यवस्था; व्यापार में सुगमता और डूबे हुए कर्जों का समाधान करना।

- संरचनात्मक विकास = पीएम गतिशक्ति नेशनल इन्फ्रा पाइपलाइन, राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का तेज गति से आधुनिकीकरण करना।

सुरक्षा और कानून - धारा 370 की समाप्ति नया नागरिक न्याय कानून, जम्मू-कश्मीर का मुख्यधारा में एकीकरण; औपनिवेशिक कालीन आपराधिक कानूनों में सुधार करना। आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारतवासी किस किस रूप में देखते हैं? नेता उनसे क्यों चिढ़ते हैं?

आइए जानते हैं, भारतवासी प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी को किस-किस रूप में देखते हैं? एक, कड़े और मजबूत फैसले लेने वाले नेता (निर्णायक नेतृत्व):- उनके समर्थक उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो राष्ट्रहित में बड़े और साहसिक फैसले लेने से पीछे नहीं हटते (जैसे- सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 का हटाना या बड़े आर्थिक सुधार)।

दो, विकास पुरुष और आधुनिक भारत के निर्माता- कई लोग उन्हें डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, बुनियादी ढांचे (छाईवे, वंदे

भारत एक्सप्रेस, एयरपोर्ट) के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत का विजन देने वाले प्रशासक के रूप में देखते हैं।

तीन, कल्याणकारी योजनाओं के प्रदाता- देश का एक बड़ा गरीब और मध्यम वर्ग उन्हें उज्ज्वला योजना, जनधन खाते, पीएम आवास योजना और मुफ्त राशन जैसी सीधी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन को आसान बनाने वाले संरक्षक के रूप में देखता है।

चार, सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक- बहुसंख्यक समाज का एक वर्ग उन्हें हिंदू संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव को वैश्विक मंच पर पुनर्स्थापित करने वाले नेता के रूप में देखता है।

पांच, कठोर और केंद्रित प्रशासक (आलोचकों की नजर में):- आलोचक या विरोधी उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते हैं जो केंद्रीकृत निर्णय लेते हैं और विपक्ष या मीडिया के साथ संवाद के सीमित अवसर देते हैं।

राजनीतिक विरोधी और अन्य नेता उनसे क्यों असहज रहते हैं?

विपक्षी नेताओं की चिड़ या असहमति के पीछे मुख्य रूप से राजनीतिक, वैचारिक और रणनीतिक कारण हैं-

एक, चुनावी मशीनरी और अपराजित छवि- मोदी का मजबूत संगठन (बीजेपी) और उनकी व्यक्तिगत जन-स्वीकार्यता विपक्षी दलों की पारंपरिक राजनीति और वोट बैंक को लगातार चुनौती देती है। दो, सीधा जन-संवाद- मन की बात और सोशल मीडिया के माध्यम से मोदी जनता से बिना किसी बिचौलिए के सीधे जुड़ते हैं, जिससे पारंपरिक राजनीतिक बिचौलियों की भूमिका खराब हो जाती है।

तीन, कठोर राजनीतिक और संस्थागत टकराव- विपक्ष का आरोप रहता है कि मोदी सरकार में केंद्रीय जांच एजेंसियों और प्रशासनिक तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए किया जाता है।

चार, वैचारिक भिन्नता- कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दल देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे और समावेशी राजनीति के लिए उनकी हिंदूत्व आधारित विचारधारा को चुनौती मानते हैं।

बावजूद इसके पीएम नरेंद्र मोदी किसी से नहीं दबते। उन्होंने बहुत सही कार्य किए, लेकिन हिंदूत्व और जातिवाद को लेकर उनके मंत्रियों ने जो जो वैधानिक कृत्य किए, कराए, इससे उनका वह जनानाशर दाय पर है, जिसने उन्हें हर हर मोदी, घर घर मोदी के रूप से सर्वस्वीकार्य बनाया। यदि इसकी काट वो ढूंढ लेती हैं तो एनडीए अपराजेय रहेगा, अन्यथा यूसीसी के बहाने बिहार से भगदड़ के संकेत मिलने लगे हैं।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक तकानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढखने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी।

(ललित गर्ग) भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढखने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंद्र अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। राजनीति

में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ‘जोड़ा फूलों’ को फीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ‘काला दिन’ बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और संप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का ठेकर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस ‘गंदे खेल’ के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को

समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उजड़ी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-विरोध ने मिलकर उनकी दलगत चुनौती को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मयादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी

असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए। तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े पश्चिम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुजनायी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्रार्थमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझन न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं। ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इनके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पत्नी-बच्चे ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है।

पीजी कॉलेज बेमेतरा में हर्षोल्लास से मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, यातायात नियम एवं अनुशासन को लेकर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बेमेतरा। शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विभिन्न जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेमेतरा के पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात वंदे मातरम्, छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को विधिवत प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड तथा डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं की संभावना बढ़ रही है। ऐसे में युवाओं को सतर्क और



जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर फ्रॉड होता है या ऐसी घटना की आशंका होती है तो तत्काल 1930 पर संपर्क करें तथा नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुशासन जीवन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं को अनुशासित रहकर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने महिला सुरक्षा के लिए अभिव्यक्ति ऐप के संबंध में भी जानकारी दी तथा विद्यार्थियों को इसे डाउनलोड कर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की

अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अनुशासन, सकारात्मक सोच और नशामुक्त जीवन को अपनाकर अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सिटी कोतवाली बेमेतरा के थाना प्रभारी ग्वाला ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि जागरूकता ही साइबर फ्रॉड से बचने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि किसी भी प्रकार के संदिग्ध कॉल, संदेश या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 पर संपर्क करें अथवा नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि स्वयं जागरूक होकर हम अपने आसपास के लोगों को भी साइबर अपराध से बचा सकते हैं। महिला निरीक्षक वर्षा चौबे ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपयोगी अभिव्यक्ति ऐप के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। वहीं यातायात प्रभारी प्रवीण खलराखे ने यातायात नियमों के प्रति विद्यार्थियों को

जागरूक किया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं को वाहन नहीं चलाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को निर्धारित आयु पूर्ण होने के बाद ही वाहन चलाने की अनुमति दें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अनुशासन, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र बारले ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों कशिरा झांगड़े, रमेश सिन्हा, शिवम रात्रे, महेश चंद्राकर, मंजीत रात्रे, वैष्णवी परगनिहा, परमेश्वर पात्रे, परमेश्वर माथुर सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अंततः राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस का यह आयोजन जागरूकता, अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संदेश के साथ अत्यंत गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

अमचो में गणपति बप्पा को दी गई भावभीनी विदाई



बेमेतरा। ग्राम अमचो में 11 दिनों तक श्रद्धा और भक्ति के साथ विराजित गणपति बप्पा को विदाई दी गई। गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। 11 दिनों तक पूरे मोहल्ले में भक्तिमय वातावरण बना रहा। विसर्जन के अवसर पर विधि-विधान से हवन एवं पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद गणपति बप्पा की आरती कर श्रद्धालुओं ने उन्हें विदाई दी। गणेश प्रतिमा को विसर्जन स्थल तक ले जाते समय गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष से वातावरण गुंज उठा। खेल-नगाड़ों और भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालु बप्पा की भक्ति में भाव-विभोर नजर आए। विसर्जन के समय कई श्रद्धालुओं की आंखों से आंसू छलक

पड़े। 11 दिनों तक अपने बीच बप्पा की उपस्थिति और सेवा के बाद विदाई का क्षण सभी के लिए भावुक कर देने वाला रहा। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष गणपति बप्पा के पुनः आगमन की कामना करते हुए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। विसर्जन कार्यक्रम में डुकेश्वर चंद्राकर, धीरज चंद्राकर, सागर निर्मलकर, तेजस चंद्राकर, गौरीराम चंद्राकर, नृतेश्वर चंद्राकर, रचना, मोनिषा, जमुना, मोहन, यामिनी, मारुति चंद्राकर, साधुगुप्त सारथी, कारण ध्वज, गरिमा, लक्ष्मी निषाद, वंदना, युक्ति, डुग्गू सहित बड़ी संख्या में समस्त मोहल्लावासी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में गणपति बप्पा का विसर्जन कर अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की।

बेमेतरा जिले में सपनों को मिला पक्का आशियाना



संकल्प के साथ जिले में मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है।

एक नजर में जिले की उपलब्धि

वर्ष 2016-2023 तक, कुल स्वीकृत आवास - 32,635, कुल पूर्ण आवास - 31,753 पूर्णता प्रतिशत 97.29 प्रतिशत, वर्ष 2024-26 तक, कुल स्वीकृत आवास - 29,603, वर्ष 2023 से कुल पूर्ण आवास - 25,976, पूर्णता प्रतिशत - 87.74 प्रतिशत, उपरोक्त आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बेमेतरा जिले ने पिछले चार साल में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है और नए चरण में भी तेजी से लक्ष्य की ओर अग्रसर है। जिले में शेष आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिन्हें समय-सोमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सफलता के मुख्य कारण

ग्राम सभा और आवास प्लस सर्वे के माध्यम से वास्तविक पात्र परिवारों का चयन सुनिश्चित किया गया। प्रत्येक आवास की जियो-टैगिंग, समय पर किरतों का भुगतान और तकनीकी सहायकों द्वारा सतत मार्गदर्शन। आवास के साथ शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, सौभाग्य योजना से बिजली और मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी को जोड़ा गया, जिससे हितग्राही को एकीकृत लाभ मिला। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिले में कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जल जीवन मिशन की योजनाओं को करीब से समझने 120 विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण



कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्टूडेंट टूर-वन बेस्ट प्रैक्टिस' पहल के अंतर्गत जिले के विभिन्न शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 120 विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन, जल शोधन, जल गुणवत्ता परीक्षण और जल संरक्षण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मिनिर्मिनिया मैदान एवं ग्राम कटणे स्थित सिंगल विलेज जल प्रदाय योजना का अवलोकन किया। यहां उन्हें योजना के संचालन एवं संधारण तथा जल संरक्षण के

संबंध में जानकारी दी गई। इसके बाद विकासखंड बोड़ला के अंतर्गत पोड़ी समूह संचालन, जल शोधन, जल गुणवत्ता परीक्षण और जल संरक्षण का भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने जल शोधन संयंत्र में सुरक्षित पेयजल के लिए क्लोरीन डोजिंग, जल उच्चार तथा संयंत्र के विभिन्न अवयवों के संचालन की प्रक्रिया को करीब से देखा। विद्यार्थियों को उपखंड स्तरीय जल गुणवत्ता परीक्षण

प्रयोगशाला का भी भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने जल की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया को जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने जल स्रोत से लेकर जल शुद्धिकरण, उपचारित जल के भंडारण एवं वितरण, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

खुरहट्ट, मिनिर्मिनिया मैदान, खडोदाकला, राहपुरकला, सारंगपुरकला, लोहशरी, सिंधारी, पोड़ी एवं भालुबुवा के लगभग 120 विद्यार्थी शामिल हुए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण पेयजल योजनाओं की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के साथ ही जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल और जल गुणवत्ता के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है। विद्यार्थियों को योजनाओं के संचालन एवं संधारण की जमीनी जानकारी मिलने से उनमें जल प्रबंधन को लेकर व्यावहारिक समझ विकसित हुई। जल जीवन मिशन के माध्यम से विद्यार्थियों को जल प्रबंधन की जमीनी समझ देने की यह पहल सुरक्षित पेयजल और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

पार्षद सिमरन ताम्रकार ने पार्षद निधि से वार्ड वासियो और व्यापारियों को वितरित किए डस्टबिन

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बेमेतरा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 19 में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पार्षद सिमरन ताम्रकार द्वारा विशेष पहल की गई। उन्होंने अपने पार्षद निधि से वार्ड के विभिन्न प्रमुख बाजार क्षेत्रों में व्यापारियों एवं वार्डवासियों को डस्टबिन का वितरण किया। इस दौरान सदर रोड, बाजार पारा एवं शीतला मंदिर रोड क्षेत्र में दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को डस्टबिन वितरित कर उन्हें अपने-अपने प्रतिष्ठानों तथा आसपास के क्षेत्र में कचरा निर्धारित डस्टबिन में डलने के लिए प्रेरित किया गया। पार्षद ने व्यापारियों से अपील की कि वे दुकानों से निकलने वाले कचरे को सड़क अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकें और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।



स्वच्छ वार्ड के लिए जनभागीदारी जरूरी : सिमरन ताम्रकार

इस अवसर पर पार्षद सिमरन ताम्रकार ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारा वार्ड स्वच्छ और सुंदर रहे, इसके लिए प्रत्येक व्यापारी और वार्डवासी को अपनी भूमिका निभानी होगी। इसी उद्देश्य से पार्षद निधि से डस्टबिन का वितरण किया गया है। मेरा सभी व्यापारियों एवं वार्डवासियों

अभियान सेवा, स्वच्छता और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने वार्ड के नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान पार्षद सिमरन ताम्रकार, धनश्याम ताम्रकार पूर्व पार्षद, कुलेश्वर चौहान स्वच्छता प्रभारी, प्रदीप राजपुत, चंद प्रकाश कोशले, धनराज चौहान, दीपक चौहान, मुकेश पाल एवं कुलेश्वर साहू सहित वार्डवासी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

भालेसर ईटभट्टा में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकाला बगलेड़ी में 800 नागरिकों को राशन वितरित

बेमेतरा। जिले में लगातार 2 दिनों से हो रही अत्यधिक बारिश से उत्पन्न बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए कलेक्टर प्रतिष्ठ ममगाई ने नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं बाढ़ आपदा राहत प्रबंधन टीम बेहद सजगता और गंभीरता से कार्य कर रही है। कलेक्टर के निर्देशन में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा संभावित बाढ़ प्रभावित एवं जलभराव क्षेत्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। प्रभावित नागरिकों के लिए राशन-पानी सहित सुरक्षित रख-रखाव एवं अन्य जरूरी जीवन रक्षक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ग्राम भालेसर के ईटभट्टा में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालकर स्कूलों में अस्थायी रूप से रहने की व्यवस्था की गई है। उनके लिए खाने-पीने सहित अन्य जीवन रक्षक सामग्री उपलब्ध कराई गई है। ग्राम बगलेड़ी में भी बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्था की गई है, यहां निवासरत 800 नागरिकों को राशन वितरित किया गया है। डोटू नाला में पानी बढ़ने से सावंतपुर का



रास्ता अवरुद्ध होने पर अनुविभागीय अधिकारी साजा द्वारा मौका निरीक्षण किया गया है। मौके पर कोटवार-पटवारी की ड्यूटी लगाई गई है। लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस प्रशासन को सूचना दे दी गई है। समोदा नाला में बैरिकेटिंग की गई है। तहसील देवकर अंतर्गत ग्राम बासिमा का संपर्क अन्य ग्रामों से टूट गया है, जहां लोगों को जलभराव वाले रास्ते से आवागमन न करने हेतु सचेत किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ एवं जलभराव संभावित सभी चिन्हांकित क्षेत्रों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कहीं भी किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई है।

सतर्क रहने, जलभराव एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों में खतरा मोल न लेने तथा जिला प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है। किसी भी प्रकार की मदद के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

बेमेतरा जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। कलेक्टर प्रतिष्ठ ममगाई की निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत प्रेमलता

पदमाकर ने नवागढ़ विकासखंड के बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम में पर्याप्त खाद्य सामग्री एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित विभागों की टीम को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सहायता समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर विशेष निगरानी रखने तथा गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नवागढ़ पिंकी मनहर सहित स्वास्थ्य, पंचायत एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर उपस्थित रही। अधिकारियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की स्थिति एवं आवश्यक राहत व्यवस्थाओं की जानकारी सीईओ जिला पंचायत को दी गई।

इंदौरी में 1.95 करोड़ के विकास कार्यों को मिली गति, बोहरा ने किया भूमिपूजन और लोकार्पण

कवर्धा। नगर पंचायत इंदौरी में करीब 1 करोड़ 95 लाख 94 हजार रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों को गति मिली है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने इन कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इनमें 1 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 49 लाख 97 हजार रुपये की लागत से पूर्ण कार्यों का लोकार्पण शामिल है। विकास कार्यों में चौक सौंदर्यीकरण, मुक्तिधाम विकास, मांगलिक भवन और दुकानों के निर्माण सहित अन्य अधोसंरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान भारत माता चौक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण तथा मां कर्मा माता चौक का लोकार्पण किया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 14 में मुक्तिधाम विकास, नगर पंचायत क्षेत्र में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन निर्माण और मुक्तिधाम उमयन कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों के पूरा होने के बाद



नगर में सार्वजनिक सुविधाओं और नागरिक अधोसंरचना के विस्तार की उम्मीद है। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि नगर की जरूरतों के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उनके अनुसार चौक विकास और सौंदर्यीकरण से सार्वजनिक स्थलों की पहचान बेहतर होगी, जबकि मुक्तिधाम, मांगलिक भवन और दुकानों के निर्माण से स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ नगर के सभी वार्डों तक



पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इंदौरी नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले वर्षों में करीब 10 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराए जाने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा अधोसंरचना मद के तहत करीब 2 करोड़ रुपये की प्राविधिक स्वीकृति मिलने की बात भी सामने आई है। इन कार्यों में सड़क, भवन, चौक, बाजार और नागरिक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्य शामिल हैं। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण, वनांचल और नगरीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लेकर भी विधायक ने जानकारी दी। उन्होंने सड़क,

मुक्तिधाम और मांगलिक भवन जैसे सार्वजनिक उपयोग के कार्य सीधे नागरिक सुविधाओं से जुड़े हैं। ऐसे में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समयसीमा में पूर्णता इन योजनाओं के प्रभाव को तय करेगी। कार्यक्रम में नगर पंचायत इंदौरी प्रभारी रोशन दुबे, अध्यक्ष मिनिर्मि बाई मांडले, उपाध्यक्ष जयवंत साहू, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, विधायक प्रतिनिधि रामसुख जायसवाल, मंडल महामंत्री मनोज बंजारे सहित जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सरपंच और नगरवासी मौजूद रहे।

लाखों की लागत से बना अटल डिजिटल केंद्र बंद, ग्रामीणों को नहीं मिल रही सुविधा

कवर्धा। ग्रामीणों को शासकीय सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बैजलपुर में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्र वर्तमान में नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। लाखों रुपए की लागत से तैयार इस केंद्र का अपेक्षित लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम के आवश्यक उपकरण उपलब्ध नहीं होने और नियमित संचालन नहीं होने की बात ग्रामीणों ने कही है। सरकार की मंशा पंचायत स्तर पर डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने की है, ताकि उन्हें छोटे-छोटे कामों के लिए दूर स्थित कार्यालयों के चक्कर न लगने पड़े। जन्म प्रमाण पत्र, विवाह बैतने की सुविधा है। बताया गया कि आवश्यक विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़े आवेदन इन केंद्रों के माध्यम से किए जा सकते हैं। बैजलपुर में केंद्र की मौजूदगी स्थिति इसके उद्देश्य से अलग नजर आती है। ग्रामीणों के अनुसार कार्यालय अधिकारियों का समय बंद रहता है और दरवाजे पर ताला लगा रहता है। केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम के आवश्यक पार्ट



उपलब्ध नहीं होने के साथ बैतने की सुविधा व्यवस्था भी नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाओं के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत ने केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी वीएलई गोविंद राम मेरवाही को सौंपी है। बताया गया कि आवश्यक तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण केंद्र का नियमित संचालन प्रभावित है। संसाधनों के अभाव में वीएलई के लिए भी केंद्र से ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पा रहा है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच देना है। महतारी वंदन

योजना, निराश्रित पेशन, प्रमाण पत्रों के आवेदन सहित कई सेवाओं के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करनी होती है। वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के लिए स्थानीय स्तर पर ऐसी सुविधा उपलब्ध होना समय और खर्च दोनों की बचत कर सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र शुरू होने की जानकारी तो दी गई थी, लेकिन अब तक यहां से किसी प्रमाण पत्र के बनने की जानकारी उन्हें नहीं मिली है। केंद्र बंद रहने के कारण सुविधा का लाभ लेने के लिए उन्हें अन्य स्थानों पर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से केंद्र की स्थिति का जायजा लेने और आवश्यक कंप्यूटर एवं तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराने तथा नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि जिस उद्देश्य से केंद्र की स्थापना की गई है, उसके अनुरूप इसका संचालन होने पर बैजलपुर सहित आसपास के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर कई शासकीय सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। अब प्रशासनिक स्तर पर केंद्र की वास्तविक स्थिति, उपलब्ध संसाधनों और संचालन व्यवस्था की समीक्षा के बाद आवश्यक कदम उठाए जाने की उम्मीद है।

भारी बारिश के बीच पूरे जोश और उत्साह के साथ भक्तों ने बप्पा को दी विदाई

आस्था के महाकुंभ में उमड़ा जन सैलाब, नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ होने की मनाई गई खुशियां

भिलाई। आस्था से जब सच्चे भाव प्रकट होते हैं, तो प्रकृति की कोई भी बाधा मार्ग नहीं रोक सकती। तृष्ण धम जाते हैं, बदरा रास्ता दे देते हैं, क्योंकि जहाँ अटूट विश्वास होता है, वहीं स्वयं विधाता सारथी बन जाता है। भिलाई के इतिहास में कई स्वर्णिम अध्याय देखे हैं, लेकिन 'आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच' द्वारा आयोजित 'श्री गणेश विसर्जन महोत्सव' के दौरान भिलाई की जागरूक जनता ने श्रद्धा का जो इतिहास रचा, उसकी गूँज युगों-युगों तक सुनाई देगी। यह गवाही है उस ऐतिहासिक दिन की, जब आसमान ने इतिहास लेने की ठानी और लगातार 36 घंटों तक मूसलाधार बारिश होती रही। सड़कें जलमग्न थीं, हवाओं में कड़क थी और मानसूनी बेहमी अपने चरम पर थी। कोई भी साधारण आयोजन ऐसी स्थिति में घुटने टेक देता। लेकिन, बप्पा की अलौकिक माया से न तो विसर्जन झांकियों के कदम डगमगाए और न ही भिलाईवासियों का हौसला डिगा। मूसलाधार बारिश की एक-एक बुँद भक्तों की आस्था के सैलाब के आगे बीनी साबित हो गई। ढोल-ताशों की थाप और 'गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जन्दी आ' के गानभेदी जयकारों के बीच, हजारों-लाखों श्रद्धालु भीगते हुए, मुस्कुरते हुए अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट करने सिविक सेंटर के आस्था-चौक पर खड़े रहे। 36 घंटे की वो अनवरत बारिश भी भिलाई की इस साड़ी सांस्कृतिक विरासत के जोश को ठंडा नहीं कर सकी। आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का 11वें वर्ष का आयोजन छत्तीसगढ़ पुलिस के शौर्य और साहस को समर्पित रहा जो कई मायनों में बेहद खास रहा। भारी बारिश के बीच इतिहास रचते हुए



भक्तों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ बप्पा को विदाई दी। इस अवसर पर धर्म और संस्कृति को अदम्य झलक नजर आई। राउत नाचा, घुमाल, ढोल नगाड़ा पारंपरिक नृत्य और देवी देवताओं की वेशभूषा धारण कर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं उपस्थित लोगों ने देशभक्ति के गीतों में झुमकर हमारे सेना और पुलिस के जवानों के शौर्य को नमन किया। अनेकता में एकता की दिखी तस्वीर-आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के 11 वें वर्ष के आयोजन में राजनीति से परे एकता का संदेश देते हुए विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम में दुर्गा सांसद विजय बघेल, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष एवं दुर्गा ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, श्री रामजन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, नगर निगम भिलाई की पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद सुभद्रा सिंह, फिल्म अभिनेत्री श्वेता पड्डा, डॉ.सुरोचन राय, डॉ.मंजु राय सहित समाज के अन्य लोग शामिल हुए। यहां पहुंचने सभी अतिथीयों ने आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा गणेश

पूजन समितियों को हर वर्ष सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाने और सभी को एक जुट कर भिलाई की एकता और अखंडता को परिभाषित करते हुए धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के लिए बचाई दी साथ ही भिलाईवासियों को उनकी अटूट श्रद्धा के लिए नमन किया। छत्तीसगढ़ पुलिस को समर्पित रहा मंच-आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का ग्यारहवें वर्ष का आयोजन छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों के लिए समर्पित रहा। छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ पुलिस के जांबाज इंसपेक्टर शौर्य चक्र प्राप्त लक्ष्मण केवट और रामेश्वर प्रसाद देशमुख को उनकी अद्वितीय वीरता, रणभूमि में सूझबूझ और अदम्य साहस और वीरता को लिए नमन करते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ पुलिस के वे जांबाज इंसपेक्टर हैं जिन्होंने नक्सलियों के खिलाफ उनके असाधारण साहस और नेतृत्व के लिए देश के प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति ने बनाया रिकॉर्ड - आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा वर्ष 2026 के आयोजन में भारी बारिश के बावजूद कुल 51 झांकियां शामिल हुईं जिन्हें

कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथीयों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ और कनिष्ठ दो वर्गों में पुरस्कारों का वितरण किया गया जिसके तहत सर्वश्रेष्ठ आयोजन के लिए 11वें वर्ष का खिताब न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति को दिया गया और सर्वश्रेष्ठ थीम के लिए शिव मानस गणेशोत्सव समिति सेक्टर 10, को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह से सीनियर और जूनियर के 7 अन्य कटेगिरी में भी समितियों को सम्मानित किया गया। वहीं अन्य मंच से होकर गुजरने वाली समस्त सभी को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया। भिलाई रत्न सम्मान से सम्मानित हुई विभूतियां- आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 'भिलाई रत्न' सम्मान से शहर की विभूतियों का सम्मान किया गया। इसके तहत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. उदय धाबड़े, तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सुमीत घोष, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में राजेंद्र अग्रवाल, शोध कार्य में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. मंजु राय, को सम्मानित किया गया। सेवा योजना के तहत दी गई राशि- आस्था रथ

सांस्कृतिक मंच द्वारा इस वर्ष भी सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके तहत स्व.बीरा सिंग सेवा योजना के तहत सरस्वती देवी को 11000 और स्व.प्रकाश भाकरे सेवा योजना के तहत पशुओं और जानवरों की निःस्वार्थ सेवा के लिए आदर्श राय को 11 हजार की राशि का चेक प्रदान किया गया। आस्था-रथ की स्मारिका का हुआ विमोचन- आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के द्वारा धर्म और संस्कृति से संबंधित वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी अतिथीयों के द्वारा किया गया। स्मारिका के माध्यम से शहर और प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों की विशेषताएं और धर्म संस्कृति और परम्परा से संबंधी सामग्री का समावेश किया गया है। समारोह में गीत संगीत का भी भव्य आयोजन किया गया जिसमें डॉ.लिफ के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर देर तक तन समा बांधा। समितियों का उत्साह बढ़ाना आयोजन का उद्देश्य- आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष मिश्रलेश ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के साथ साथ गणेश पूजन समितियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाने का है ताकि वे भविष्य और भी बेहतर कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुई प्रत्येक समितियों को सम्मानित किया गया है ताकि उनका उत्साहवर्धन हो सके। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजक अनूपति भाकरे ठाकुर ने किया। इनका रहा विशेष योगदान- आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के आयोजन को सफल बनाने में बनाने में राजेश नथवाणी, दादराव बोरोडे, राजेश सांक्ले, सुरेंद्र ठाकुर, सवी पशोने, प्रीतम हण्णाल, नितिन श्रीवास्तव, प्रज्ज्वला सहित समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

घर की बाड़ी में शराब छिपाकर बेचने की तैयारी कर रहा आरोपी गिरफ्तार, 9 लीटर महुआ शराब जब्त

रायगढ़। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान -ओपरेशन आपात- के तहत कोतरगोड़ पुलिस ने ग्राम नंदेली इंदिरा आवास पारा में अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लीटर महुआ शराब, कीमत करीब 900 बरामद की है। जानकारी के अनुसार, दिनांक 26 सितंबर 2026 को थाना प्रभारी कोतरगोड़ निरीक्षक शील आदित्य सिंह को मुख्यावर से सूचना मिली कि ग्राम नंदेली के इंदिरा आवास पारा में एक व्यक्ति अपनी बाड़ी में अवैध बिन्की के लिए काफी मात्रा में महुआ शराब रखे हुए है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में



उसने अपना नाम मनबोध चौहान पिता पीला राम चौहान, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम नंदेली इंदिरा आवास पारा, थाना कोतरगोड़, जिला रायगढ़ बताया। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से 5-5 लीटर क्षमता वाली दो प्लास्टिक जरीकेन में कुल 9 लीटर महुआ शराब, जिसकी अनुमानित

कीमत 7900 है, गवाहों के समक्ष बरामद कर जन्ती पंचनामा तैयार किया। आरोपी द्वारा धारा 34(2), 59(क) आवकारी एक्ट का अपराध घटित करना पाए जाने पर थाना कोतरगोड़ में आवकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे रिमांड पर न्यायालय भेजा गया।

सामाजिक व्यक्ति एवं कृतित्व समाज के प्रहरी रहे रामलाल बरिहा विंध्यवासिनी पुत्र रामलाल बरिहा : सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के एकमात्र आदिवासी साहित्यकार का अवसान

भटगांव। बिंझवार समाज ही नहीं, पूरे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के साहित्यिक और शैक्षणिक जगत ने अपना एक आधार स्तंभ खो दिया है। ग्राम सालार में जन्मे और कनकबीरा को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले, विंध्यवासिनी पुत्र के नाम से विख्यात शिक्षाविद, साहित्यकार और समाज सुधारक रामलाल बरिहा जी का 22 सितम्बर 2026 को निधन हो गया। वे 74 वर्ष के थे। उनके निधन से साहित्य और समाज दोनों में एक ऐसा शून्य बना है जिसे भरना आसान नहीं है। साधारण परिवार से असाधारण शिखर तक-रामलाल बरिहा का जन्म 07 जनवरी 1952 को सारंगढ़ अंचल के ग्राम सालार में एक साधारण जनजाति बिंझवार परिवार में हुआ था। पिता स्व. भागीरथी बरिहा और माता स्व. श्रीमती जगमती बरिहा ने घर अधावों में भी उन्हें शिक्षा का



संस्कार दिया। सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह के जीवन से प्रेरित होकर उन्होंने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। अग्रेजी में एम.ए. करने के बाद वे 1973 में शिक्षक बने और 2014 तक 41 वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाते रहे। समाज ने दिया सर्वोच्च सम्मान : प्रदेश व्याप्यक्ष से गुरुदेव तक - रामलाल जी का समाज के प्रति समर्पण देखकर समाज ने भी उन्हें भरपूर सम्मान दिया। उनके संगठनात्मक क्षमता और निष्पक्ष नेतृत्व के कारण समाज ने उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर बिंझवार समाज का उपाध्यक्ष बनाया। यह पद केवल पद नहीं था, बल्कि पूरे प्रदेश के समाज ने उनके प्रति अपना

विश्वास व्यक्त किया था। इसके साथ ही वे विंध्यवासिनी मंदिर निर्माणकर्ता के रूप में तो जाने ही जाते हैं, साथ ही उन्होंने समाज में "सभापति के रूप में भी लंबे समय तक कार्य का निर्वहन किया।" सभापति के रूप में उन्होंने समाज के कई जटिल विवादों को सुलझाया, सामाजिक न्याय की स्थापना की और समाज को अनुशासन सिखाया। उनके फैसले को सभी स्वीकार करते थे क्योंकि उसमें निष्पक्षता और अनुभव होता था। आज यही कारण है कि आज पूरा समाज उन्हें गुरुदेव के रूप में सम्मान करता है। बिंझवार समाज के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के मुंह पर उनके लिए एक ही शब्द है - गुरुदेव। यह उपाधि उन्हें किसी विश्वविद्यालय ने नहीं, बल्कि समाज ने दी है। यह इनकी रचना पर पीएचडी हो चुकी है। डॉ. पुष्पा बरिहा की थीसिस का विषय

साहित्यकार-रामलाल बरिहा जी की एक और ऐतिहासिक पहचान यह है कि वे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के एकमात्र ऐसे आदिवासी साहित्यकार थे, जिनकी कृति पर विश्वविद्यालय स्तर पर शोध कार्य हुआ। उनकी कालजयी कृति विंध्यवासिनी पुत्र बिंझवार (2016) ने बिंझवार समाज को पहली बार लिखित इतिहास, संस्कृति और अस्मिता दी। यह पुस्तक समाज का गौरव-ग्रंथ बन चुकी है। थीसिस में शामिल हुई कृति, PhD में हुआ मूल्यांकन-उनके साहित्यिक अवदान को अकादमिक मान्यता भी मिली। शिक्षाविद डॉ. पुष्पा बरिहा कहती हैं मैंने अपनी PhD थीसिस में बरिहा जी की कृति 'विंध्यवासिनी पुत्र बिंझवार' को शामिल किया है। यानि इनकी रचना पर पीएचडी हो चुकी है। डॉ. पुष्पा बरिहा की थीसिस का विषय

है सारंगढ़ बिलाईगढ़ अंचल के रचित निबंध साहित्य में डॉ. गौतमसिंह पटेल की साहित्यिक रचनाओं का मूल्यांकन परक अध्ययन। इस महत्वपूर्ण शोध-ग्रंथ में उन्होंने रामलाल बरिहा जी के साहित्य की भी एक स्वतंत्र अध्याय के रूप में शामिल कर उनके शिक्षाविद और साहित्यकार व्यक्तित्व का गहन मूल्यांकन किया है। डॉ. पुष्पा बरिहा के अनुसार, उनका साहित्य केवल साहित्य नहीं, बल्कि समाजशास्त्र है। कनकबीरा में आस्था से एकता का सूत्र-साहित्य के साथ-साथ उन्होंने आस्था के माध्यम से भी समाज को जोड़ा। सारंगढ़ मुख्यालय के समीप ग्राम कनकबीरा में उन्होंने अपनी कुलदेवी माँ विंध्यवासिनी का भव्य मंदिर निर्माण कराया। आज वह मंदिर बिंझवार समाज के सामाजिक एकता का महाकुंभ है।

विधायक रिकेश की अनोखी पहल घरेलू सहायिका ढूंढने भटकना नहीं पड़ेगा, जनता कमल सेतु से 1 घंटे में मिलेंगे 100+ विकल्प

भिलाई नगर, 28 सितंबर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के परिवारों को अब घर के कामकाज के लिए घरेलू सहायिका (मेड) तलाशने में होने वाली परेशानियों से स्थायी राहत मिलने जा रही है। विधायक रिकेश सेन ने जनसुविधा और महिला सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ते हुए एक नवाचारी पहल की शुरुआत की है। इस व्यवस्था के तहत विधानसभा वार्डों को महज एक व्हाट्सएप मैसेज के जरिए उनके घर के काम के लिए मेड उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र की हजारों जरूरतमंद महिलाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा। विधायक रिकेश की यह योजना नवरात्रि में 11 अक्टूबर से शुरू होगी। केवल एक मैसेज और 1 घंटे में समाधान- इस सेवा का लाभ उठाने के लिए नागरिकों को इधर-उधर भटकने या दलालों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। जनता कमल सेतु के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर 99778 91333 पर संपर्क कर केवल एक सामान्य



रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पंजीकरण पूरा होते ही महज 1 घंटे के भीतर संबंधित परिवार को 100 से अधिक इच्छुक घरेलू सहायिकाओं की सूची और उनके संपर्क नंबर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। नागरिक अपनी सुविधानुसार उनसे सीधे बातचीत कर उपयुक्त सहायिका का चयन कर सकेंगे। 22 हजार महिलाओं के स्वावलंबन को मिलेगा बल- इस योजना का दोहरा उद्देश्य है

शहरी परिवारों को विश्वसनीय मदद दिलाना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना। विधायक की महत्वाकांक्षी शक्ति योजना से जुड़ी लगभग 22 हजार महिलाओं को इस पहल के जरिए सीधे रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे परिवार और सहायिका के बीच कोई तीसरा पक्ष नहीं रहेगा। वेतन, काम के घंटे और शर्तें दोनों पक्ष आपसी सहमति से तय करेंगे। योजना से जुड़ी महिलाओं का डेटाबेस पहले से संकलित होने के कारण परिवारों के लिए भी यह एक सुरक्षित व भरोसेमंद विकल्प साबित होगा। सुविधा और रोजगार को एक घागे में पिरोने वाली विधायक रिकेश सेन की इस पहल का वैशाली नगर के मध्यमवर्गीय परिवारों और कामकाजी महिलाओं ने स्वागत किया है। आम जनता के मुताबिक, भागदौड़ भरी जिंदगी में भरोसेमंद घरेलू सहायिका का मिलना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था, जिसे इस डिजिटल नवाचार ने बेहद आसान बना दिया है।

महादेव घाट पर संपर्क टूटने से परसदा रेलवे फाटक पर लगा लंबा जाम, जर्जर वैकल्पिक मार्गों ने बढ़ाई परेशानी

अमलेश्वर, कुम्हारी । महादेव घाट स्थित खारून नदी के उफान पर होने के कारण अमलेश्वर-रायपुर मुख्य मार्ग से संपर्क बाधित हो गया है। इसके चलते रायपुर जाने वाले लोगों को कुम्हारी जीई रोड का सहारा लेना पड़ रहा है। अचानक यातायात का दबाव बढ़ने से परसदा रेलवे फाटक के पास जाम की स्थिति निर्मित हो गई है, जहां राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। कुम्हारी से टायटीच तक पहले से ही यातायात का दबाव अधिक रहता है और आए दिन जाम की स्थिति देखने को मिलती है। ऐसे में महादेव घाट मार्ग बंद होने से वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परसदा से कुम्हारी टोल प्लाजा होते हुए चंदनडीह-रायपुर पहुंच मार्ग को दुरुस्त किया जाना समय की आवश्यकता है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। वहीं मार्ग में अशुभी पुलिया का निर्माण भी रेलवे



की जमीन से संबंधित अड़चन के कारण लंबे समय से रुका हुआ है। यदि परसदा से कुम्हारी टोल प्लाजा होते हुए चंदनडीह तक के मार्ग का निर्माण एवं अशुभी पुलिया का कार्य समय रहते पूरा कर दिया जाता, तो वर्तमान जैसी आपात स्थिति में यह

मार्ग रायपुर आने-जाने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण वैकल्पिक रास्ता बन सकता था और मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव भी कम किया जा सकता था। इसके साथ ही चंदनडीह के पुराने पुल को नए सिरे से विकसित करने की दिशा में भी पहल

मरम्मत, अशुभी पुलिया के निर्माण में आ रही बाधा का समाधान तथा चंदनडीह पुल के पुर्ननिर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी आपात परिस्थितियों में आवागमन सुचारु बनाए रखा जा सके।

किए जाने की आवश्यकता बताई जा रही है। इससे दुर्ग-अमलेश्वर क्षेत्र से रायपुर की ओर जाने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा और कुम्हारी-टायटीच मार्ग पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में मदद मिल सकती है। वर्तमान बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से परसदा-कुम्हारी टोल प्लाजा-चंदनडीह मार्ग की

गंगरेल बांध के 14 गेट खुले, शिवरीनारायण का संपर्क टूटा, 30 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में भारी बारिश के बाद हालात गंभीर

रायगढ़-बिलासपुर और रायगढ़-शिवरीनारायण मार्ग पर आवागमन प्रभावित, प्रशासन ने राहत एवं बचाव दलों को किया तैनात

रायगढ़। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही भारी बारिश के बाद महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। घमटरी स्थित गंगरेल बांध के जलभराव के चलते प्रशासन ने बांध के सभी 14 गेट खोल दिए हैं। इसके बाद महानदी में जम्बूदस्त उफान आ गया है और जांजगीर-चांपा, सक्ती तथा रायगढ़ जिले के कई इलाकों में बाढ़ का असर दिखाई देने लगा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने नदी किनारे बसे गांवों में निगरानी बढ़ा दी है। महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से शिवरीनारायण क्षेत्र में हालात गंभीर हो गए हैं। शिवरीनारायण का कई क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है, जबकि बिलासपुर रोड और केरा रोड पर बाढ़ का पानी पहुंचने से आवागमन प्रभावित हुआ है। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी

के अनुसार श्वरी पुल के ऊपर करीब छह फीट पानी बह रहा है, जिससे क्षेत्र में आवाजाही पर व्यापक असर पड़ा है। वाडों और मेला मैदान में घुसा पानी- शिवरीनारायण के वाडों क्रमांक-1 में भी बाढ़ का पानी भर गया है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर सांस्कृतिक ध्वन में उठरने की व्यवस्था की गई है। वहीं मेला ग्राउंड में भी पानी भर जाने से सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। कई स्थानों पर लोग नाव के सहारे आवागमन करते नजर आ रहे हैं। 30 से अधिक गांव प्रभावित-महानदी के बढ़ते जलस्तर का असर तीन जिलों के 30 से अधिक गांवों में पड़ने की सूचना है। नदी किनारे बसे क्षेत्रों में प्रशासन ने पहले ही अलर्ट जारी कर



लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की थी। बांध से लगातार पानी छेड़े जाने और जलस्तर बढ़ने के कारण महानदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। राहत और बचाव दल मुस्तैद-बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव व्यवस्था तेज कर दी है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ और होमागार्ड की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन की ओर से अलग-अलग स्थानों पर भोजन, पेयजल और उठरने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन का फोकस प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और आवश्यक

सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है। कई प्रमुख मार्गों पर पहुंचना बाढ़ का पानी-महानदी के उफान का असर सड़क संपर्क पर भी पड़ा है। रायगढ़-रायपुर, रायगढ़-शिवरीनारायण और रायगढ़-बिलासपुर मार्ग के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी पहुंचने से यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन की ओर से लोगों से जलभराव वाले रास्तों पर जाने से बचने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की जा रही है। लगातार बारिश और बांध से छेड़े जा रहे पानी के बीच प्रशासन ने नदी और निचले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है, जबकि राहत एवं बचाव दल किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कोनी में 2 से 4 अक्टूबर तक निःशुल्क स्पाइन सर्जरी शिविर

बिलासपुर। कुमार साहब र्व. श्री दिलीप सिंह जुदेव जी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कोनी में स्पाइन फ़ंडेशन ऑफ़ इंडिया, मुंबई के सहयोग से 2 से 4 अक्टूबर 2026 तक निःशुल्क स्पाइन सर्जरी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में प्रदेश के स्पाइन रोग से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को विशेष उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर के लिए स्पाइन फ़ंडेशन ऑफ़ इंडिया, मुंबई के 9 वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम तथा शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जरी विभाग के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों का उपचार किया जाएगा। स्पाइन रोग से पीड़ित मरीजों की 2 से 4 अक्टूबर तक आवश्यक जांच एवं शल्यक्रिया की जाएगी। हॉस्पिटल के संयुक्त संचालक सह चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि स्पाइन फ़ंडेशन ऑफ़ इंडिया, मुंबई के चिकित्सकों द्वारा इससे पूर्व 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक स्पाइन सर्जरी शिविर आयोजित किया गया था। इसी क्रम में पुनः शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा एवं निःशुल्क शल्य चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सकेगा। शिविर के आयोजन से आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को स्पाइन संबंधी जटिल रोगों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला 30 सितंबर को 18 निजी नियोजकों द्वारा 1765 पदों पर होगी भर्ती

बिलासपुर। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 30 सितंबर 2026 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोनी, बिलासपुर में किया जाएगा। रोजगार मेले में सर्विस, फ़र्निस, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर, मैनुफ़ैक्चरिंग एवं सिस्कोरिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 18 निजी नियोजकों द्वारा लगभग 1765 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बी.ई., बी.टेक आदि शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदक भाग ले सकते हैं। योग्य उम्मीदवारों को अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड तथा समस्त शैक्षणिक योग्यताओं की अंकसूची/प्रमाण-पत्र की मूल प्रति एवं छत्राप्रति के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए ई-रोजगार पोर्टल या छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप में पंजीयन तथा रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र लाना अनिवार्य है। रोजगार मेले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए ई-रोजगार पोर्टल, छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप एवं जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, कोनी, बिलासपुर से संपर्क किया जा सकता है।

कोटसागर जलाशय योजना : नहर निर्माण के लिए भू-अर्जन हेतु समाघात दल ने की अनुशंसा

बिलासपुर। जिले के कोटा तहसील के ग्राम धौराभाटा में नहर निर्माण के लिए भूमि का अर्जन किया जाना है। सामाजिक समाघात दल ने ग्राम धौराभाटा में भू-अर्जन से पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन किया। मूल्यांकन में पाया गया कि धौराभाटा गांव में भू-अर्जन से 0.07 एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है जिसका समाघात दल ने किसानों से भी सहमति लिया और पाया कि अर्जित भूमि से कोई मकान आदि प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी भी परिवार के विस्थापन की संभावना है। सामाजिक समाघात दल द्वारा यह पाया गया है कि अधोसंरचना पर कोई बाधा नहीं है तथा अधोसंरचना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। समाघात दल इस बात से संतुष्ट है कि जल संसाधन विभाग को जितनी भूमि की आवश्यकता है उतनी ही भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। समाघात दल ने ग्राम धौराभाटा तहसील कोटा के अंतर्गत जल संसाधन संभाग कोटा के नहर निर्माण हेतु ग्राम धौराभाटा में रकबा 0.07 एकड़ भूमि का अर्जन लोकहित में किए जाने की अनुशंसा की है। ग्राम धौराभाटा में कोटसागर जलाशय योजना अंतर्गत नहर निर्माण होने से लगभग 93 हेक्टेयर कृषि भूमि पर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिले में हंगे विविध कार्यक्रम

बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर 2026 को बिलासपुर में वरिष्ठजनों के सम्मान, स्वास्थ्य एवं कल्याण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री परिसर, बिलासपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से वरिष्ठजनों के पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण के साथ होगी। इस दौरान शासकीय कलाकारों एवं वरिष्ठजनों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

सेवा से संकल्प अभियान:विद्यालयों में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता, जिला स्तर के लिए 15 विद्यार्थी चयनित हुआ...

बिलासपुर। सेवा से संकल्प अभियान' के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री सेजेस गर्ल्स स्कूल, सरकंडा में किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के 60 संकुलों से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले '5 विद्यार्थियों का भाषण तथा 10 विद्यार्थियों का चित्रकला प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, नया कश्मीर, महिला सशक्तिकरण, सेना का शौर्य और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में 'अमिताश तिवारी (डीएवी स्कूल, बसंत बिहार), रिमझिम ठाकुर (एनएफपी स्पर्श विद्यालय, तिफ्रा),



सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की समीक्षा

सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता से अभियान को सफल बनाने के निर्देश

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में नोडल अधिकारियों ने प्रस्तावित गतिविधियों और अब तक की तैयारियों का पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रमों के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन-प्रशासन को जनता के प्रति अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सेवाभावी बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान केवल आयोजन करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि प्रत्येक गतिविधि के उद्देश्य को जनभागीदारी के माध्यम से धरातल पर उतारना महत्वपूर्ण है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और संगठन के साथ समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए। श्री साव ने 7 अक्टूबर को मस्तूरी, बिल्हा, कोटा और तखतपुर विकासखंडों

शिवतराई की पायल ने तीरंदाजी में चमकाया जिले का नाम.....

बिलासपुर। खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से ग्रामीण अंचलों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल रहा है। कोटा विकासखंड के ग्राम शिवतराई निवासी कु. पायल मरावी की कहानी भी इसी बदलाव की मिसाल है। कभी खेल उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में अभ्यास में कठिनाइयों का सामना करने वाली पायल आज नियमित प्रशिक्षण लेकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। कु. पायल मरावी के लिए तीरंदाजी में आगे बढ़ने की राह आसान नहीं थी। खेल उपकरण, किट तथा अन्य आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध नहीं होने के साथ-साथ डाइट मनी की सुविधा भी नहीं मिलती थी। संसाधनों के अभाव में नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण लेना कठिन होता था। सीमित सुविधाओं के बावजूद पायल ने खेल के प्रति अपनी रुचि और मेहनत को जारी रखा। वर्ष 2022 में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्राम शिवतराई में खेलो इंडिया लघु केन्द्र (तीरंदाजी प्रशिक्षण उपकेन्द्र) प्रारंभ किया गया। केन्द्र में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ आवश्यक खेल उपकरण, खेल किट एवं डाइट मनी उपलब्ध कराई जाने

सेवा संकल्प अभियान के तहत पचपेड़ी... महाविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

■ 53 यूनिट रक्तदान कर विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने दिया मानव सेवा का संदेश

बिलासपुर। संत गुरु घासीदास कला, विज्ञान एवं शिक्षा महाविद्यालय पचपेड़ी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान'' के तहत आज महाविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। हंसवाहिनी शिक्षण एवं सेवा समिति तथा हंसवाहिनी ब्लड सेंटर, सरकंडा बिलासपुर के सहयोग से आयोजित शिविर में कुल '53 यूनिट रक्तदान'' किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि थाना पचपेड़ी के एचसी श्री विश्वास पात्रे एवं विशिष्ट अतिथि आरक्षक श्री



में सेवा ज्योति कलाश यात्रा आयोजित करने के निर्देश दिए। यात्रा प्रत्येक ग्राम पंचायत से होकर सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का संदेश देगी। उन्होंने यात्रा के रूट चार्ट, सुरक्षा और जनभागीदारी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। यात्रा का समापन जिला मुख्यालय स्थित बहतराई स्टेडियम में होगा, जहां सभा आयोजित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन को सुनने की व्यवस्था की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने '‘सेवा का रंग, राष्ट्र के संग’’



लगी। खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कोच के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर भी मिलने लगे। सुविधाएं मिलने के बाद पायल के प्रशिक्षण में निरंतरता आई। वर्तमान में वह शिवतराई स्थित तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र में नियमित अभ्यास कर रही हैं। बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के परिणामस्वरूप उन्होंने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा '‘रत्न अलंकरण मुख्यमंत्री ट्रॉफी वर्ष 2025-26 से भी सम्मानित किया गया है।



यशपाल जांगड़े ने छत्तीसगढ़ महतारी, संत गुरु घासीदास बाबा एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर

माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. जायसी ने अतिथियों का आने का संदेश दिया गया।



आत्मविश्वास और प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने में सहायक होती हैं। बीईओ बिल्हा श्री भूपेंद्र कौशिक ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विकसित भारत का सपना देखने और उसे साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने



धीम पर सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोली बनाने के निर्देश दिए। इसमें महिला स्व-सहायता समूहों, स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित होने वाले '‘आंगन मिलन सेवा’’ कार्यक्रम को उत्सव के रूप में आयोजित करने तथा गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और किशोरी बालिकाओं की अधिकाधिक

मिलऊ साहू ने सराही सेवा सेतु सुविधा चार दिन में प्रमाण पत्र मिल गया.....

■ शासन की योजनाओं से लोगों को मिल रहा त्वरित लाभ

बिलासपुर। आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सुगम और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई सेवा सेतु सुविधा लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने वाले श्री मिलऊ राम साहू को इसका लाभ मिला। उन्होंने आमदनी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु के जरिए आवेदन किया था। श्री मिलऊ राम साहू ने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से आमदनी प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया काफी सरल रही। आवेदन जमा करने के बाद उन्हें प्रमाण पत्र के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ा और महज चार दिनों में उनका आमदनी प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। उन्होंने कहा कि पहले शासकीय दस्तावेजों के लिए कार्यालयों में बार-बार जाना पड़ता था, जिससे लोगों का समय और मेहनत दोनों खर्च होते थे। सेवा सेतु जैसी सुविधा के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया आसान होने के साथ ही प्रमाण पत्र प्राप्त करने में भी तेजी आई है। आमदनी प्रमाण पत्र मिलने से अब मिलऊ राम साहू को विभिन्न शासकीय

सेवा संकल्प अभियान बेलटुकरी में आंगन मिलन उत्सव का आयोजन

उन्होंने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सेल्फी बुथ भी बनाया गया, जहां प्रतिभागियों ने तस्वीरें साझा कीं। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को आयोजक संस्था की ओर से रक्तमित्र कार्ड, हेलमेट, बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन के माध्यम से युवाओं और आमजन को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया।

■ न्योता भोज, मुनगा पौधरोपण और स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी के साथ विभिन्न हितग्राही हुए सम्मानित

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज परियोजना कार्यालय मस्तूरी के आंगनबाड़ी केंद्र बेलटुकरी क्रमांक-2 में '‘आंगन मिलन उत्सव’’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी विशेष रूप से मौजूद थे। इसके अलावा श्री चंद्रप्रकाश सूर्या सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी केंद्र में '‘न्योता भोज’’ का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों द्वारा बच्चों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर '‘हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा’’ का संदेश देते हुए डॉ. बांधी ने '‘एक आंगनबाड़ी-एक मुनगा पेड़’’ थीम के तहत आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में मुनगा पौधे का रोपण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्थानीय व्यंजनों एवं विभिन्न भाजियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का



भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जांच, पोषण परामर्श और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। श्री साव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबी ज्ञान के साथ खेल गतिविधियां भी जरूरी हैं। उन्होंने सभी शालाओं में प्रतिदिन खेल पोरियड अनिवार्य करने और नियमित खेल अभ्यास कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने '‘सेवा मेरा योगदान’’ के तहत 1 अक्टूबर को सभी शासकीय कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों के भीतर और बाहर स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। साथ ही अरपा नदी के प्रमुख घाटों पर भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सेवा संकल्प अभियान के आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में विधायक श्री धरमलाल कौशिक एवं श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री दीपक ठाकुर, श्री मोहित जायसवाल, एसएसपी श्री राजेश सिंह, निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।



कार्यों और योजनाओं से संबंधित प्रक्रियाओं में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र समय पर मिलने से उनके जरूरी शासकीय कार्य आसानी से पूरे हो सकेंगे। श्री मिलऊ राम साहू ने सेवा सेतु के माध्यम से मिली सुविधा की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से आम नागरिकों को काफी राहत मिलती है। उन्होंने इसे समय की बचत करने वाली और नागरिकों के लिए सुविधाजनक पहल बताया। साथ ही कहा कि ऐसी सेवाओं के विस्तार से लोगों को शासकीय कार्यालयों से संबंधित कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सेवा संकल्प अभियान बेलटुकरी में आंगन मिलन उत्सव का आयोजन



उद्घाटन एवं अवलोकन किया तथा स्थानीय पोषण आधारित खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने के महत्व पर जानकारी ली। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया गया तथा '‘हर घर मुनगा-घर घर मुनगा’’ थीम के तहत उन्हें मुनगा का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए खिलौने भी प्रदान किए गए। अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले '‘5 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं 4 मितानिनों’’ तथा अन्य हितग्राहियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही '‘महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं स्वस्थ बालक/बालिका स्पर्धा’’ के हितग्राहियों को भी सम्मानित किया गया। डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए '‘सेवा संकल्प अभियान एवं पोषण माह’’ के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, महिलाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में किए जा रहे।



